मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित
हिन्दी दैनिक
# उत्तरशक्ति
हर खबर निष्पक्षता के साथ
मुंबई
वर्षः 9 अंक 27
रविवार, 02 अगस्त 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

## विवेकानंद के आदर्शों पर चलकर युवा बढ़ा रहे राष्ट्र का गौरवः पीएम मोदी

**कर्नाटक, 01 अगस्त।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कर्नाटक में कहा कि मैसूरु भारत की शाश्वत सांस्कृतिक पहचान रहा है, शहर ने उस परंपरा को संजोकर रखा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वामी विवेकानंद के जीवन, संदेश और आदर्शों को समर्पित 'स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक युवा केंद्र - विवेका स्मारक' का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि व्यक्ति से विभूति का निर्माण एकाएक नहीं होता। इसके लिए हमें जीवन की अनगिनत परीक्षाएं देनी होती है, साधनाएं करनी होती हैं, तप करना होता है, खुद को तपाना और खपाना पड़ता है। ख्याति के बाद तो संसार पीछे खड़ा होता है। लेकिन तप के समय महान विभूतियों को पहचानना आसान नहीं होता।

मोदी ने कहा कि जो साधक को तपस्या में पहचानता है, वो उसकी सिद्धि का सहभागी भी होता है। इसलिए भाई-बहनों स्वामी विवेकानंद जी के जीवन में मैसूरु का इतना अहम योगदान था। करीब 130 वर्ष पहले स्वामी जी 1 युवा सन्यासी के रूप में भ्रमण करते हुए यहां आए थे। तब उनकी प्रसिद्धि वैसी नहीं थी, लेकिन विचार उतने ही ऊंचे थे। उस समय उन्हें जिन लोगों ने पहचाना, जो उनके साथ जुड़े उनमें से एक प्रमुख मैसूरु के तत्कालीन महाराजा का भी था। जब स्वामी विवेकानंद जी अमेरिका में थे, तब उन्होंने वहां से मैसूरु के महाराजा को एक पत्र लिखा था, उसमें उन्होंने स्वयं महाराजा के सहयोग का उल्लेख किया था।

नरेंद्र मोदी ने कहा कि स्वामी विवेकानंद जी ने भारतीय चेतना को आत्मसात किया था। उन्होंने शास्त्रों को आत्मसात किया था। जो कहते हैं कि वास्तव में वही जीता है, जो दूसरों के लिए जीता है। उन्होंने कहा कि शिक्षा और स्वास्थ्य से जुड़ी सेवाएं हों या प्राकृतिक आपदा में राहत कार्य, श्री रामकृष्ण आश्रम ने स्वामी विवेकानंद जी की विरासत

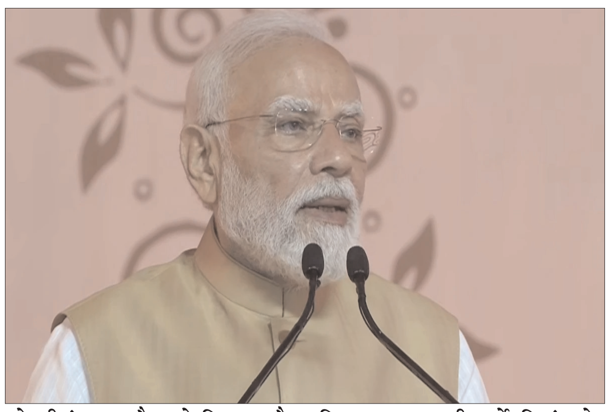

को जीवंत रखा है। मुझे विश्वास है कि Viveka Smaraka साधकों और श्रद्दालुओं के लिए आत्मिक उत्थान के एक तीर्थ बनेगा। स्वामी विवेकानंद जी की प्रेरणा थी शिव ज्ञाने, जीव सेवा, यानी जीव की सेवा ही शिव की सेवा है। हमें इस स्मारक में ऐसे युवाओं को घड़ना है, जिनके लिए समाज और राष्ट्र के हित, गरीब और वंचित के दुःख आने सुख-दुःख से ऊपर हो। जिन युवाओं के लिए राष्ट्र प्रथम ही सर्वोपरि मंत्र हो, मां भारती की सेवा ही जिनका जीवन लक्ष्य हो।

प्रधानमंत्री ने कहा कि स्वामी विवेकानंद जी युवाओं की शिक्षा को राष्ट्र निर्माण का मजबूत आधार मानते थे। उन्होंने ये देखा था कि कैसे दुनिया के देश अपने युवाओं को शिक्षित बना रहे हैं। लेकिन दुर्भाग्य से तब भारत गुलाम था। भारत के युवा भी गुलामी की जंजीरो में जकड़े हुए थे। उस दौर से लेकर आज तक भारत के युवा ने एक लंबी यात्रा तय की है। भारत का जो युवा कभी जंजीरों में था, आज वो युवा दुनिया के विकास को गति दे रहा है। आज भारत की अर्थव्यवस्था सबसे तेज गति से आगे बढ़ रही है। ये सब भारत के युवाओं के सामर्थ्य की वजह से ही हो रहा है। आज भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम है। वो भी भारत के युवाओं के सामर्थ्य से।

मोदी ने कहा कि आज भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा मोबाईल फोन निमार्ता बन चुका है वो भी भारत के युवाओं के सामर्थ्य से। आज भारत में बने digital solutions दुनिया के अनेक देशों के लिए प्रेरणा बन रहे हैं। वो भी भारत के युवाओं के सामर्थ्य से। आज भारत सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग की नई यात्रा पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। वो भी भारत के युवाओं के सामर्थ्य की वजह से।

## स्वामी रामदेव का युवाओं को संदेशः हुनरबाज बनो, गालीबाज नहीं, ये हमारी संस्कृति नहीं

**नई दिल्ली, 01 अगस्त।** योग गुरु स्वामी रामदेव ने हाल ही में छात्रों के विरोध प्रदर्शनों की आलोचना की है। उन्होंने युवाओं से अभद्र प्रदर्शनों के बजाय कौशल विकसित करने का आग्रह करते हुए कहा कि ऐसे व्यवहार से देश की प्रगति नहीं होगी। उन्होंने तर्क दिया कि केवल शिक्षा मंत्री को बदलने से शिक्षा प्रणाली में कोई सार्थक सुधार नहीं आएगा। अठकसे बातचीत में स्वामी रामदेव ने भारत की राजनीतिक, शैक्षिक और चिकित्सा प्रणालियों में कमियों को माना, लेकिन इस बात पर जोर दिया कि विरोध प्रदर्शन लोकतांत्रिक और सम्मानजनक तरीके से होने चाहिए।

स्वामी रामदेव ने कहा कि सड़कों पर हंगामा, अफरा-तफरी, तोड़-फोड़ और गाली-गलौज करने से देश आगे नहीं बढ़ेगा। विरोध करने के साथ-साथ हमें यह भी देखना चाहिए कि देश का निर्माण

कैसे किया जाए। सभी का एक ही लक्ष्य है - विकसित भारत का निर्माण करना। हंगामा करके विकसित भारत नहीं बनाया जा सकता। उन्होंने विरोध के मौजूदा तरीकों की आलोचना करते हुए कहा कि हमारे युवा समूहों में सड़कों पर उतर रहे हैं, नाच-गा रहे हैं और 'आजादी' के नारे लगा रहे हैं। इससे कोई फायदा नहीं होगा। आपको खुद को इतना काबिल बनाना होगा कि आप देश के लिए योगदान दे सकें और सरकारी व्यवस्था को जवाबदेह ठहरा सकें।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे पर रामदेव ने टिप्पणी की कि अगर शिक्षा मंत्री इस्तीफा दे देते हैं तो शिक्षा व्यवस्था में क्या बदलाव आएगा? क्या इससे युवाओं को नौकरियां मिलेंगी? महंगाई कम होगी? बदलाव छात्रों की कड़ी मेहनत और नीतियों से आएगा। सरकार को निश्चित रूप से जवाबदेह होना चाहिए, लेकिन केवल एक व्यक्ति को बदलने से बदलाव नहीं आएगा। व्यवस्था में बदलाव और कड़ी मेहनत महत्वपूर्ण है। उन्होंने अपनी बात खत्म करते हुए कहा कि बच्चों को गालीबाज नहीं, बल्कि हुनरबाज होना चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हालिया वीडियो संदेश पर बात करते हुए रामदेव ने कहा कि PM ने बच्चों को माफ कर दिया है। लेकिन गाली-गलौज करना हमारी संस्कृति नहीं है। इंस्टाग्राम पर शेयर किए गए प्रधानमंत्री के वीडियो में, उन्होंने जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन के दौरान अभद्र भाषा के इस्तेमाल का ज़िक्र किया।

## कांवड़ियों के साथ दर्दनाक हादसा, लोहे का भारी गर्डर गिरने से 2 की मौत

**हरिद्वार, 01 अगस्त।** उत्तराखंड में हरिद्वार जिले के बहादराबाद क्षेत्र में शनिवार को एक निमार्णाधीन फ्लाईओवर का लोहे का गर्डर गिरने से उसकी चपेट में आए उत्तर प्रदेश के दो कांवड़ियों की मृत्यु हो गयी। पुलिस ने यह जानकारी दी। कांवड़ यात्रा के दौरान दो दिन में यह दूसरा हादसा है। पुलिस ने बताया कि हादसा बढ़ेड़ी राजपूतान गांव के पास शाम को हुआ जब दोनों फ्लाईओवर के नीचे आराम कर रहे थे और अचानक उनके ऊपर लोहे का भारी गर्डर गिर पड़ा।

दोनों कांवड़ियों की मौके पर ही मौत हो गई जिनकी पहचान गाजियाबाद जिले के रहने वाले 21 वर्षीय तनुज और 22 वर्षीय कृष्णा के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, हादसे के वक्त दोनों कांवड़िए हरिद्वार से गंगा जल लेकर

वापस लौट रहे थे और कुछ देर विश्राम करने के लिए फ्लाईओवर के नीचे रुके थे। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। आसपास मौजूद अन्य लोगों और कांवड़ियों ने दोनों को बाहर निकाला और पुलिस को सूचना दी। दोनों को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

बहादराबाद पुलिस थाने के प्रभारी निरीक्षक अमरजीत सिंह ने बताया कि दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और कांवड़ियों के परिजनों को घटना की सूचना दे दी गई है। उन्होंने बताया कि निमार्णाधीन फ्लाईओवर पर सुरक्षा मानकों के पालन और वहां लोहे का भारी गर्डर रखे जाने में हुई कथित लापरवाही की जांच की जा रही है तथा जांच में दोषी पाए जाने वाले लोगों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। तीस जुलाई को कांवड़ यात्रा शुरू होने के बाद से यह दूसरा हादसा है।

## संसद में अब भी टकराव जारी, गृहमंत्री की जवाबदेही तय करने की मांग पर अड़ा विपक्ष; सरकार ने बनाई नई रणनीति

**नई दिल्ली, 01 अगस्त।** संसद में छात्रों के खिलाफ पुलिस के सख्त बलप्रयोग को लेकर सरकार और विपक्ष के बीच जारी टकराव फिलहाल खत्म होता नहीं दिख रहा है। छात्र आंदोलन के विरोध मार्च के दौरान जेन-जी के खिलाफ लाठीचार्ज तथा पैलेट गन के इस्तेमाल को लेकर गृहमंत्री अमित शाह पर निशाना साध रहा विपक्ष अपने हमले के सियासी तेवर नरम करने के लिए तैयार नहीं।

तो छात्रों की मांग पर शिक्षा मंत्री का इस्तीफा कर चुका सरकार भी इस मुद्दे पर विपक्ष को कोई राजनीतिक मौका नहीं देने को लेकर सतर्क है। पेपर लीक विरोधी विधेयक पर चर्चा के तत्काल बाद ही विपक्ष ने गृहमंत्री के सदन में आकर

बयान देने से लेकर उनके इस्तीफे की मांग को हवा देने का अपना दांव चल दिया।

विपक्षी दलों के इस दांव को भांप कर सरकार ने भी दोनो सदनों में हंगामे के बीच बिना चर्चा के ही विधेयकों को पारित कराने का सिलसिला शुरू कर दिया है। जबकि विपक्ष ने भी गृहमंत्री पर हमले की अपनी रणनीति में लचीलापन लाने के अभी कोई संकेत नहीं दिए हैं।

सरकार को इस मुद्दे पर दबाव में बनाए रखने की विशेष रूप से कांग्रेस की रणनीति का संकेत शनिवार को राहुल गांधी की तमिलनाडु यात्रा के दौरान नीट पेपर लीक से हताश होकर आत्महत्या करने वाले कुछ छात्रों के परिजनों से चर्चा के दौरान भी मिला।

जेन-जी के खिलाफ पुलिस की कथित बर्बरता के लिए गृहमंत्री की जवाबदेही तय करने की मांग कर चुके नेता विपक्ष ने प्रधानमंत्री पर निशाना साधा संसद में विपक्षी पार्टियों के तेवर नहीं बदलने का साफ संकेत दिया। कांग्रेस नेता ने छात्र आंदोलन के दौरान जेन-जी द्वारा अपशब्दों के इस्तेमाल पर उन्हें माफ करने के प्रधानमंत्री के शुक्रवार रात जारी बयान को ही उन्हीं पर हमले के लिए इस्तेमाल किया। चेन्नई में पीड़ित छात्रों के परिजनों संग अपने मुलाकात की तस्वीर साझा करते हुए एक्स पर पोस्ट में राहुल गांधी ने कहा कि अपने बच्चों को खोने वाले माता-पिता के आंसू, उनका बिलखना, इससे बड़ा कोई दुःख नहीं होता। ये एक गम उनके साथ हमेशा जिंदा रहेगा। और साथ ही रह जाते हैं इस टूटी और भ्रष्ट शिक्षा प्रणाली के बारे में कई सवाल। पेपर लीक, रद्द परीक्षाएं, सालों की तैयारी एक पल में बर्बाद। हमारे छात्रों को उस सिस्टम में ईमानदारी से मेहनत करने के लिए कहा जाता है जो खुद बेईमान है। और उसके बाद भी प्रधानमंत्री की ये हिम्मत है कि वो छात्रों को ₹माफ₹ करने की बात करते हैं। क्या वो एक भी शोकाकुल परिवार से मिले जिन्होंने अपने बच्चे को खोया है या उन लोगों से जिनकी जमा पूंजी, जिंदगी, वक्त और सपने सब पेपर लीक से छीन लिए गए? जवाब है नहीं।

## पाकिस्तान में इस्लामी धर्मगुरु की दिनदहाड़े हत्या, नमाज के बाद गोलियों से भूना

**पाकिस्तान, 01 अगस्त।** पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में अज्ञात बंदूकधारियों ने एक इस्लामी धर्मगुरु की गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, यह घटना शुक्रवार को दक्षिण वजीरिस्तान जिले की बिरमल तहसील में हुई। हमलावरों ने मौलाना मोहम्मद इस्माइल पर हमला किया, जो स्थानीय जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम-फजल (जेयूआई-एफ) के नेता भी थे।

हमले की जिम्मेदारी फिलहाल किसी संगठन या व्यक्ति ने नहीं ली है। पुलिस ने बताया कि मोटरसाइकिल सवार हमलावरों ने शुक्रवार की नमाज के बाद मौलाना इस्माइल पर गोलीबारी की, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। अधिकारियों ने कहा कि घटना के पीछे के मकसद और इसमें शामिल लोगों का पता लगाने के लिए विभिन्न पहलुओं से जांच की जा रही है।

## सनसनीखेज खुलासाः जंग में ईरान का खुफिया कवच बना रूस, अमेरिकी सैन्य ठिकानों की तबाही में कर रहा मदद

**अमेरिका, 01 अगस्त।** अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव के बीच रूस की भूमिका को लेकर एक बड़ा दावा सामने आया है। एक रिपोर्ट के अनुसार, रूस ईरान को इलेक्ट्रॉनिक इंटेलिजेंस, सैटेलाइट निगरानी और सिग्नल इंटेलिजेंस उपलब्ध करा रहा है, जिससे तेहरान अपनी सैन्य क्षमताओं को मजबूत करने की कोशिश कर रहा है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि इस खुफिया जानकारी की मदद से ईरान अमेरिकी सैन्य गतिविधियों की बेहतर निगरानी कर सकता है। इससे उसकी वायु रक्षा प्रणाली को मजबूत करने, महत्वपूर्ण सैन्य ठिकानों की सुरक्षा बढ़ाने और ड्रोन व मिसाइल हमलों की सटीकता में सुधार करने में मदद मिल सकती है।

बताया गया है कि रूस की ओर

से साझा की जा रही जानकारी में सैटेलाइट निगरानी और इलेक्ट्रॉनिक इंटेलिजेंस शामिल है। इससे ईरान अमेरिकी विमानों और सैन्य अभियानों की पहचान करने के साथ-साथ कुछ अमेरिकी हथियार प्रणालियों के संचालन को प्रभावित करने की क्षमता भी विकसित कर सकता है। हालांकि इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है। रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका और यूरोप के कुछ अधिकारियों ने यह जानकारी साझा की है कि मॉस्को और तेहरान के बीच खुफिया सहयोग बढ़ा है। इससे पहले भी ऐसी खबरें आई थीं कि रूस ने पश्चिम एशिया में अमेरिकी सैन्य ठिकानों की जानकारी ईरान के साथ साझा की थी।

रूस और ईरान ने इन रिपोर्टों पर आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी है। दोनों देशों ने इस तरह की किसी भी खुफिया साझेदारी की सार्वजनिक पुष्टि नहीं की है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह घटनाक्रम रूस और ईरान के बीच तेजी से मजबूत होते रणनीतिक रिश्तों का हिस्सा है। इसी वर्ष जनवरी में दोनों देशों ने रक्षा, ऊर्जा, व्यापार और सुरक्षा सहयोग को लेकर एक व्यापक रणनीतिक साझेदारी समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। हालांकि इसमें आपसी सैन्य रक्षा का प्रावधान शामिल नहीं था।

यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद से रूस और ईरान के सैन्य संबंध लगातार मजबूत हुए हैं। पश्चिमी देशों का आरोप है कि ईरान ने रूस को ड्रोन और अन्य सैन्य उपकरण उपलब्ध कराए, जिनका इस्तेमाल यूक्रेन युद्ध में किया गया। हालांकि रूस और ईरान दोनों इन आरोपों से लगातार इनकार करते रहे हैं।

राष्ट्रीय बहन दिवस, 2 अगस्त 2026 और बेटी तेरापंथ की सम्मेलन पर विशेष:

# बहन: संस्कृति, संवेदना और सशक्त भारत की आधारशिला

-ललित गर्ग

रिश्तों की दुनिया में यदि कोई संबंध निस्वार्थ प्रेम, आत्मीयता, विश्वास, त्याग और आजीवन साथ का सबसे सुंदर उदाहरण है, तो वह बहन का रिश्ता है। बहन केवल परिवार की सदस्य नहीं होती, वह घर की संवेदना, संस्कारों की संरक्षिका, परिवार की आत्मा और समाज की मानवीय चेतना की वाहक होती है। राष्ट्रीय बहन दिवस इसी अनुपम रिश्ते के सम्मान, उसकी गरिमा और उसके जीवनदायी योगदान को स्मरण करने का अवसर है। प्रत्येक वर्ष अगस्त के प्रथम रविवार को मनाया जाने वाला यह दिवस हमें यह सोचने के लिए प्रेरित करता है कि यदि परिवारों में बहनों का स्नेह और संस्कार जीवित रहेंगे, तभी समाज में समरसता और राष्ट्र में मानवीय मूल्यों की धारा प्रवाहित होती रहेगी।

आज जब भौतिकता, प्रतिस्पर्धा और आत्मकेंद्रित जीवनशैली रिश्तों की ऊष्मा को चुनौती दे रही है, तब राष्ट्रीय बहन दिवस केवल एक औपचारिक उत्सव नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति की उस अमूल्य परंपरा का पुनर्स्मरण है, जहाँ नारी को परिवार की धुरी, संस्कृति की संवाहिका और भविष्य की निमार्ता माना गया है। बहन का व्यक्तित्व केवल अपने भाई या परिवार तक सीमित नहीं रहता, वह आने वाली पीढ़ियों के संस्कारों का निर्माण करती है। उसके व्यक्तित्व में करुणा, सहनशीलता, सेवा, संयम और समर्पण जैसे गुण समाज को मानवीय बनाते हैं। इसी व्यापक दृष्टि को साकार करने की दिशा में जैन श्वेताम्बर तेरापंथी महासभा द्वारा 1 अगस्त 2026 को जैन विश्व भारती, लाडनूं में राष्ट्रसंत आचार्य श्री महाश्रमणजी की मंगल सन्निधि में आयोजित बेटी तेरापंथ की चौथा राष्ट्रीय सम्मेलन एक ऐतिहासिक और प्रेरणादायी अध्याय बनकर उभरा। राष्ट्रीय बहन दिवस की भावना के अनुरूप आयोजित यह सम्मेलन केवल एक कार्यक्रम नहीं था, बल्कि नारी चेतना, बहन संस्कृति और पारिवारिक मूल्यों के पुनर्जागरण का सशक्त अभियान था।

देश के विभिन्न राज्यों से हजारों बेटियों और बहनों की उत्साहपूर्ण भागीदारी ने यह सिद्ध कर दिया कि भारतीय नारी केवल परिवर्तन की साक्षी नहीं, बल्कि परिवर्तन की सबसे बड़ी वाहक है। सम्मेलन में उपस्थित प्रत्येक बेटी और बहन अपने साथ केवल उत्साह नहीं लाई थी, बल्कि संस्कार, सेवा, नेतृत्व और सामाजिक उत्तरदायित्व का एक नया संकल्प लेकर आई थी। यह दृश्य भारतीय संस्कृति के उस उज्ज्वल भविष्य का संकेत था, जिसमें नारी केवल सम्मान की पात्र नहीं, बल्कि समाज-निर्माण की सक्रिय भागीदार है। इस सम्मेलन की सबसे बड़ी विशेषता यह रही कि यहाँ नारी सशक्तिकरण को केवल अधिकारों की भाषा में नहीं, बल्कि उत्तरदायित्व, संस्कार, नेतृत्व और आध्यात्मिक चेतना के साथ जोड़ा गया। आधुनिकता और परंपरा के बीच संतुलन स्थापित करते हुए यह संदेश दिया गया कि वास्तविक सशक्तिकरण वही है जो व्यक्ति को आत्मविश्वासी बनाए, परिवार को सुदृढ़ करे, समाज को संगठित करे और राष्ट्र को ऊँचाइयों तक ले जाए।

राष्ट्रसंत आचार्य श्री महाश्रमणजी के प्रेरणादायी सान्निध्य ने इस सम्मेलन को आध्यात्मिक ऊँचाई प्रदान की। आचार्यश्री का संपूर्ण जीवन नारी गरिमा, नैतिक मूल्यों, शिक्षा, आत्मानुशासन और मानवीय चेतना के विकास के लिए समर्पित रहा है। उनके मार्गदर्शन में चल रहे अनेक कार्यक्रमों ने समाज में यह विश्वास जगाया है कि नारी केवल घर की शक्ति नहीं, बल्कि राष्ट्र के चरित्र निर्माण की आधारशिला है। उनके संदेशों में बार-बार यह भाव उभरता है कि यदि नारी शिक्षित, संस्कारित, आत्मविश्वासी और मूल्यनिष्ठ होगी तो परिवार, समाज और राष्ट्र स्वयं सुदृढ़ बन जाएगा। इस अवसर पर जैन श्वेताम्बर तेरापंथी महासभा के अध्यक्ष श्री महेंद्र नाहटा ने अत्यंत सारगर्भित विचार व्यक्त करते हुए कहा कि ह्यनारी के बिना राष्ट्र की प्रगति अधूरी है। जिस समाज ने अपनी बेटियों और बहनों को अवसर, सम्मान और संस्कार दिए हैं, वही समाज स्थायी विकास की दिशा में आगे बढ़ा है। आचार्य श्री महाश्रमणजी के मार्गदर्शन में चल रहे नारी उत्थान के विविध कार्यक्रम केवल महिलाओं को सशक्त नहीं बना रहे, बल्कि पूरे समाज में नैतिक जागरण और सांस्कृतिक पुनर्जागरण का आधार बन रहे हैं। उन्होंने कहा कि ह्यबेटी तेरापंथ की केवल एक सम्मेलन नहीं, बल्कि ऐसी वैचारिक यात्रा है जो बेटियों और बहनों को आत्मगौरव, नेतृत्व, सेवा और संस्कार के माध्यम से राष्ट्र निर्माण की मुख्यधारा से जोड़ रही है।

वास्तव में भारत की आत्मा उसकी संस्कृति में बसती है और भारतीय संस्कृति का सबसे सुंदर स्वरूप उसके पारिवारिक संबंधों में दिखाई देता है। बहन का रिश्ता केवल राखी के धागे तक सीमित नहीं है, वह विश्वास, सहयोग, प्रेरणा और नैतिक शक्ति का ऐसा सूत्र है जो परिवारों को टूटने नहीं देता। यदि हर बहन अपने संस्कारों से एक परिवार को प्रकाशित करती है, तो हर बहन अपने व्यवहार से समाज में संवेदनाओं का विस्तार करती है। आज आवश्यकता केवल महिलाओं को अवसर देने की नहीं, बल्कि उन्हें निर्णय प्रक्रिया, सामाजिक नेतृत्व, सांस्कृतिक संरक्षण और राष्ट्रीय विकास के केंद्र में स्थापित करने की है। जब बेटियाँ शिक्षा, संस्कार, आत्मनिर्भरता और आध्यात्मिक दृष्टि से समृद्ध होंगी, तभी भारत विश्वगुरु बनने की अपनी कल्पना को वास्तविकता में बदल सकेगा। आर्थिक विकास महत्वपूर्ण है, परंतु नैतिक विकास उसके बिना अधूरा है। और इस नैतिक विकास की सबसे बड़ी वाहक हमारी बेटियाँ और बहनें ही हैं।

राष्ट्रीय बहन दिवस का वास्तविक संदेश यही है कि हम बहनों को केवल शुभकामनाएँ देकर अपने दायित्व की इतिश्री न समझें, बल्कि उन्हें शिक्षा, सम्मान, समान अवसर, सुरक्षा और नेतृत्व के लिए अनुकूल वातावरण प्रदान करें। परिवारों में बेटियों को निर्णय लेने का अवसर मिले, समाज में उनकी प्रतिभा को मंच मिले और राष्ट्र उन्हें विकास की साझेदार बनाएकृयही इस दिवस की सार्थकता है। बेटी तेरापंथ की सम्मेलन ने यह सिद्ध कर दिया कि जब धार्मिक संस्कार, सामाजिक चेतना और आधुनिक नेतृत्व एक साथ चलते हैं, तब परिवर्तन केवल विचारों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि वह जीवन का आंदोलन बन जाता है। यह सम्मेलन आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत रहेगा और यह संदेश देता रहेगा कि बहन केवल रिश्ते का नाम नहीं, बल्कि संस्कृति की सबसे सशक्त प्रतिनिधि है।

भारतीय संस्कृति में बहन केवल एक पारिवारिक संबंध नहीं, बल्कि स्नेह, त्याग, मर्यादा, ममता और मंगलकामना की सजीव प्रतिमूर्ति मानी गई है। उसे घर की लक्ष्मी, कुल की गरिमा, संस्कारों की वाहक, प्रेम की पावन धारा और परिवार की आत्मीय शक्ति के रूप में सम्मानित किया गया है। बहन का स्नेह निःस्वार्थ होता है, उसका आशीर्वाद अमूल्य होता है और उसका विश्वास जीवन के कठिनतम क्षणों में भी संबल प्रदान करता है। वह भाई के जीवन में प्रेरणा, संवेदना, करुणा और आत्मीयता का ऐसा स्रोत है, जो रिश्तों को केवल रक्त से नहीं, बल्कि हृदय के अटूट बंधन से जोड़ता है। भारतीय परंपरा में बहन को शुभता, सौभाग्य, वात्सल्य और संरक्षण का प्रतीक माना गया है। रक्षाबंधन एवं भाईदूज जैसे पावन पर्व इस पवित्र संबंध की गरिमा को और अधिक ऊँचा उठाते हैं, जहाँ बहन केवल रक्षा का सूत्र नहीं बाँधती, बल्कि अपने प्रेम, विश्वास और मंगलकामनाओं से भाई के जीवन को आलोकित करती है। बहन परिवार की संस्कृति की संवाहिका, मूल्यों की संरक्षिका और स्नेह की अविरल सरिता है। उसके सम्मान में जितने भी विशेषण जोड़े जाएँ, वे कम हैं, क्योंकि बहन वास्तव में ईश्वर की वह अनुपम देन है, जो जीवन को प्रेम, अपनत्व, संवेदना और पवित्रता से समृद्ध कर देती है। आज राष्ट्रीय बहन दिवस पर संपूर्ण राष्ट्र को यह संकल्प लेना चाहिए कि हर बेटी को सम्मान मिलेगा, हर बहन को अवसर मिलेगा और हर नारी को उसके व्यक्तित्व की पूर्ण अभिव्यक्ति का अधिकार मिलेगा। यही विकसित भारत की सबसे मजबूत नींव होगी। जिस दिन भारत की प्रत्येक बेटी आत्मविश्वास, संस्कार और नेतृत्व के साथ आगे बढ़ेगी, उसी दिन राष्ट्र की प्रगति नई ऊँचाइयों को स्पर्श करेगी। बहन का सम्मान केवल एक दिवस का उत्सव नहीं, बल्कि एक राष्ट्रीय संकल्प होना चाहिए। क्योंकि जहाँ बहन का सम्मान होता है, वहाँ परिवारों में संस्कार खिलते हैं, समाज में संवेदनाएँ जीवित रहती हैं और राष्ट्र अपने उज्ज्वल भविष्य की ओर आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ता है। यही राष्ट्रीय बहन दिवस का संदेश है, यही बेटी तेरापंथ की सम्मेलन की उपलब्धि है और यही नए भारत के निर्माण का सबसे सशक्त मार्ग भी है।

# कश्मीर में गैर-कश्मीरियों की हत्याओं का यह सिलसिला भारत के विचार पर एक सीधा हमला

अशोक भाटिया

जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 की समाप्ति के बाद देश और दुनिया को यह संदेश देने की पुरजोर कोशिश की गई थी कि घाटी में अब अमन-चैन का एक नया सूरज उग चुका है। सरकार और स्थानीय प्रशासन के दावों में विकास, पर्यटन और शांति की नई इबारत लिखी जा रही थी। परंतु, जमीनी हकीकत इन दावों के विपरीत एक बेहद डरावनी और चिंताजनक तस्वीर पेश कर रही है। कश्मीर घाटी में एक बार फिर लक्षित हत्याओं का दौर तेज हो चुका है। आतंकवादियों द्वारा बाहरी राज्यों से आए निर्दोष मजदूरों, रेहड़ी-पटरी वालों, कश्मीरी पंडितों और गैर-स्थानीय कामकाजी लोगों को चुन-चुनकर निशाना बनाना इस बात का पुख्ता प्रमाण है कि घाटी में आतंकी तंत्र अब भी पूरी तरह सक्रिय है। हाल ही में कुलगाम जिले के केलम क्षेत्र में छत्तीसगढ़ के दो निर्दोष मजदूरों की गोली मारकर की गई निर्मम हत्या ने सुरक्षा व्यवस्था, खुफिया तंत्र और सरकार के शांति के दावों पर एक बड़ा सवालिया निशान खड़ा कर दिया है। यह केवल दो व्यक्तियों की हत्या नहीं है, बल्कि यह देश की संप्रभुता, आर्थिक ढांचे और उस भरोसे पर हमला है, जिसे बहाल करने के लिए पिछले कुछ वर्षों में अथक प्रयास किए गए हैं।

पिछले कुछ वर्षों के घटनाक्रम पर नजर डालें, तो स्पष्ट होता है कि आतंकवादियों ने अपनी रणनीति में एक बड़ा बदलाव किया है। अब वे बड़े पैमाने पर सुरक्षा बलों के कैंपों पर सीधे हमले करने के बजाय सॉफ्ट टारगेट यानी उन लोगों को निशाना बना रहे हैं जो निहत्थे हैं, जिनकी सुरक्षा का कोई पुख्ता इंतजाम नहीं है और जो केवल अपनी आजीविका कमाने के लिए कश्मीर आए हैं। बिहार, उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़ और अन्य राज्यों से आए ये गरीब मजदूर कश्मीर की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। चाहे वह निर्माण कार्य हो, ईंट भट्ठे हों या सेब के बागान, इन प्रवासियों के बिना घाटी का आर्थिक पहिया थम जाता है। आतंकियों का मुख्य उद्देश्य इन गैर-स्थानीय लोगों के मन में ऐसा खौफ पैदा करना है जिससे वे घाटी छोड़कर भागने पर मजबूर हो जाएं। लश्कर-ए-तैयबा के मुखौटा संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट जैसे आतंकी गुट इस तरह की कायरतापूर्ण हरकतों की जिम्मेदारी लेकर यह संदेश देना चाहते हैं कि कश्मीर में जनसांख्यिकीय बदलाव की किसी भी कोशिश को वे बर्दाश्त नहीं करेंगे। यह सोच पूरी तरह से विभाजनकारी और राष्ट्रविरोधी है, जिसका मुकाबला केवल गोलियों से नहीं, बल्कि एक ठोस दीर्घकालिक रणनीति से ही किया जा सकता है।

कश्मीर में गैर-कश्मीरियों की हत्या का यह सिलसिला केवल कानून-व्यवस्था की समस्या नहीं है, बल्कि इसके गहरे आर्थिक और सामाजिक निहितार्थ हैं। कश्मीर की स्थानीय अर्थव्यवस्था बहुत हद तक बाहरी श्रमिकों पर निर्भर है। सर्दियों के मौसम को छोड़कर, साल के अधिकांश महीनों में देश के विभिन्न हिस्सों से लाखों मजदूर निर्माण, कृषि और हस्तशिल्प के क्षेत्र में काम करने कश्मीर आते हैं। जब इन मजदूरों को निशाना बनाया जाता है, तो पूरी घाटी में भय का माहौल व्याप्त हो जाता है। इसके परिणामस्वरूप बड़े पैमाने पर पलायन शुरू होता है। मजदूरों के पलायन से विकास परियोजनाएं अधर में लटक जाती हैं, बुनियादी ढांचे का निर्माण रुक जाता है और स्थानीय कारोबारियों को भारी नुकसान उठाना पड़ता है। सामाजिक स्तर पर, यह हमला कश्मीरियत की उस सदियों पुरानी भावना पर भी चोट करता है, जो मेहमाननवाजी और सह-अस्तित्व के लिए जानी जाती है। आतंकियों की यह रणनीति कश्मीर को शेष भारत से पूरी तरह से अलग-थलग करने और देश के अन्य हिस्सों में कश्मीरियों के प्रति अविश्वास पैदा करने की एक गहरी साजिश का हिस्सा है।

हर एक हत्या के बाद गृह मंत्रालय, केंद्र शासित प्रदेश के उपराज्यपाल और सुरक्षा बलों के आला अधिकारियों की उच्च स्तरीय बैठकें होती हैं। आतंकवाद को जड़ से उखाड़ फेंकने के कड़े बयान जारी किए जाते हैं और पूरे इलाके को घेरकर सर्च ऑपरेशन चलाया जाता है। लेकिन सवाल यह उठता है कि क्या ये कदम पर्याप्त हैं। कुलगाम जैसी घटनाएं इस बात की ओर इशारा करती हैं कि सुरक्षा और खुफिया तंत्र में कहीं न कहीं कोई गंभीर चूक हो रही है। आतंकवादी रिहायशी इलाकों और ईंट भट्ठों जैसे स्थानों पर आसानी से आते हैं, वारदात को अंजाम देते हैं और गायब हो जाते हैं। स्थानीय स्तर पर आतंकियों को मिलने वाली मदद यानी ओवर ग्राउंड वर्कर्स के नेटवर्क को पूरी तरह से समाप्त करने में अभी तक अपेक्षित सफलता नहीं मिल पाई है। जब तक इन जमीनी मददगारों के नेटवर्क को ध्वस्त नहीं किया जाएगा, तब तक ऐसी छिटपुट लेकिन बेहद घातक घटनाओं को रोकना नामुमकिन होगा। सुरक्षा बलों को अपनी पारंपरिक रणनीति से आगे बढ़कर ह्यूमन इंटेलिजेंस और आधुनिक तकनीक के समन्वय पर अधिक ध्यान देना होगा।

जम्मू-कश्मीर में राजनीतिक शून्यता को समाप्त करने के लिए हाल के समय में कई प्रयास हुए हैं, लेकिन वास्तविक प्रशासनिक नियंत्रण अभी भी काफी हद तक केंद्र के हाथों में है। ऐसे में सुरक्षा की पूरी जिम्मेदारी सीधे तौर पर केंद्र सरकार और उपराज्यपाल प्रशासन की बनती है। केवल यह कहकर पल्ला नहीं झाड़ा जा सकता कि आतंकवाद अंतिम सांसें गिन रहा है। जब तक एक भी निर्दोष नागरिक की जान आतंकियों की गोली से जा रही है, तब तक घाटी को सुरक्षित नहीं माना जा सकता। राजनीतिक दलों को भी इस संवेदनशील मुद्दे पर दलगत राजनीति से ऊपर उठना होगा। अक्सर देखा जाता है कि ऐसी घटनाओं पर राजनीतिक बयानबाजी शुरू हो जाती है, जो सुरक्षा बलों के मनोबल को प्रभावित करती है। कश्मीरी समाज के मुख्यधारा के राजनेताओं को भी खुलकर और बिना किसी लाग-लपेट के इन हत्याओं की निंदा करनी चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि समाज के भीतर आतंकियों के खिलाफ एक मजबूत जनमत तैयार हो। यह कोई ढका-छिपा तथ्य नहीं है कि कश्मीर में आतंकवाद की डोर सीमा पार पाकिस्तान से हिलती है। जब-जब घाटी में शांति बहाली और लोकतांत्रिक प्रक्रियाएं मजबूत होती दिखती हैं, तब-तब पाकिस्तान स्थित आका बौखलाहट में इस तरह के हमलों को अंजाम दिलवाते हैं। जी-20 की बैठकों या घाटी में बढ़ते पर्यटन ग्राफ से बौखलाए आतंकवादी अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की छवि को नुकसान पहुंचाना चाहते हैं। वे दुनिया को यह दिखाना चाहते हैं कि कश्मीर अभी भी एक अशांत क्षेत्र है जहां मानवाधिकार और नागरिक सुरक्षा खतरे में हैं। भारत सरकार को कूटनीतिक स्तर पर पाकिस्तान की इस नापाक हरकत को बेनकाब करना जारी रखना होगा। वित्तीय कार्रवाई कार्यबल जैसी अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं के मंच पर यह साबित करना होगा कि सीमा पार से टेरर फंडिंग और हथियारों की सप्लाई का सिलसिला आज भी बदस्तूर जारी है।

इस गंभीर संकट से निपटने के लिए सरकार और सुरक्षा बलों को एक बेहद मजबूत और बहुआयामी रणनीति पर काम करना होगा। सबसे पहले घाटी में काम कर रहे सभी गैर-स्थानीय मजदूरों का एक अनिवार्य डिजिटल डेटाबेस तैयार होना चाहिए और उनके रहने के स्थानों को चिन्हित कर वहां सुरक्षा बलों की नियमित गश्त सुनिश्चित की जानी चाहिए। आतंकियों को पनाह और सूचनाएं देने वाले स्थानीय नेटवर्क के वित्तीय स्रोतों पर कड़ा प्रहार कर उन्हें पूरी तरह से नेस्तनाबूद करना होगा। इसके साथ ही, स्थानीय कश्मीरी आबादी का विश्वास जीतना भी उतना ही जरूरी है, क्योंकि युवाओं को मुख्यधारा से जोड़कर ही आतंकियों के प्रभाव को कम किया जा सकता है। सुरक्षा बलों को भी केवल घटना के बाद प्रतिक्रिया देने के बजाय, खुफिया सूचनाओं के आधार पर आतंकियों के ठिकानों पर पहले हमला करने की नीति अपनानी होगी। संवेदनशील और दूरदराज के निर्माण स्थलों के आसपास ड्रोन और सीसीटीवी कैमरों के जरिए चौबीसों घंटे तकनीकी निगरानी रखी जानी चाहिए।

कश्मीर में गैर-कश्मीरियों की हत्याओं का यह सिलसिला भारत के विचार पर एक सीधा हमला है। भारत का संविधान देश के प्रत्येक नागरिक को देश के किसी भी हिस्से में रहने, घूमने और आजीविका कमाने का मौलिक अधिकार देता है। यदि कोई नागरिक कश्मीर में असुरक्षित महसूस करता है, तो यह हमारे संवैधानिक संकल्पों की विफलता है। कुलगाम की हालिया घटना देश के लिए एक वेक-अप कॉल है। अब समय आ गया है कि खोखली बयानबाजी और दावों से आगे बढ़कर जमीन पर सख्त कार्रवाई दिखाई जाए। कश्मीर को केवल पर्यटन के मानचित्र पर चमकाना ही काफी नहीं है, बल्कि उसे हर उस भारतीय के लिए सुरक्षित बनाना होगा जो वहां पसीना बहाकर देश के निर्माण में योगदान दे रहा है। आतंकवाद के इस नाग को पूरी तरह कुचलना ही निर्दोष पीड़ितों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

# सोशल मीडिया की अदालत: क्या भीड़ का फैसला ही अंतिम सत्य है?

डिजिटल युग में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पूरी तरह बदल गई है। आज के दौर में लगभग सभी लोगों के पास मोबाइल फोन है और कुछ ही सेकंड में कोई भी व्यक्ति अपने विचार पूरी दुनिया में साझा कर सकता है। सूचना का लोकतंत्रीकरण आधुनिक समाज की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक है, क्योंकि समाचार और विचार अब पारंपरिक संस्थानों तक ही सीमित नहीं हैं। लेकिन इस सशक्तिकरण में एक गंभीर खतरा भी छिपा है। आजकल तर्कपूर्ण बहस की जगह अधूरी जानकारी, अफवाहें, ऑनलाइन ट्रोलिंग और डिजिटल भीड़ के विचारों ने ले ली है। कई मामलों में, व्यूज, रेटिंग और वायरल होने की होड़ सच्चाई की खोज से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। महज कुछ घंटों में एक वीडियो ऑनलाइन आ जाता है, किसी मुद्दे का एक पक्ष सामने आता है, कुछ सोशल मीडिया अकाउंट उसे फैला देते हैं, और लाखों लोग बिना सबूत या उचित कानूनी प्रक्रिया के किसी को दोषी घोषित कर देते हैं। सोशल मीडिया की यह ₹तत्काल अदालत₹ न तो तथ्यों की समीक्षा करती है और न ही निष्पक्ष सुनवाई का अवसर प्रदान करती है। इसने अक्सर अन्यायपूर्ण तरीके से, भावनाओं, अधूरी सच्चाइयों और भीड़ की मानसिकता के आधार पर फैसले सुनाए हैं।

हाल ही में एक स्कूल शिक्षक के मामले में यह चिंता फिर से सामने आई है। कुछ प्रारंभिक रिपोर्टों के आधार पर शिक्षक को बदनाम करने के लिए सोशल मीडिया का तुरंत इस्तेमाल किया गया। अनगिनत उपयोगकर्ताओं ने कठोर निर्णय लिए, उनके चरित्र पर संदेह जताया और सभी तथ्य सामने आने से पहले ही उन्हें दोषी घोषित कर दिया। लेकिन जैसे-जैसे महीने बीतते गए, एक अलग ही कारण सामने आया। निष्पक्ष और न्यायपूर्ण जांच के अधिकार को अधिकाधिक महत्व दिया जाने लगा।

यह उन अहम सवालों में से एक है। क्या आरोपी की निंदा करने वाले लोग दूसरे पक्ष की बात सुनने को भी तैयार होंगे? क्या वे यह स्वीकार करेंगे कि उनसे जल्दबाजी में फैसला लेने की संभावना हो सकती है? लेकिन क्या ₹रुझान₹, आक्रोश और ऑनलाइन लोकप्रियता₹ सच्चाई से कहीं अधिक महत्वपूर्ण बने रहेंगे?

भारतीय न्याय प्रणाली का एक मूलभूत पहलू यह है कि निर्दोषता का सिद्धांत भारतीय न्यायालयों में एक सार्वभौमिक नियम है, जिसके अनुसार प्रत्येक व्यक्ति को दोषी सिद्ध होने तक निर्दोष माना जाता है। यह कोई कानूनी तर्क-वितर्क नहीं, बल्कि किसी भी सभ्य समाज का मूलभूत सिद्धांत है। जब इस सिद्धांत का उल्लंघन होता है, तो न्याय के स्थान पर अराजकता फैल जाती है, और कोई भी व्यक्ति किसी भी कारण से जन आक्रोश का शिकार हो सकता है। ट्रोलिंग सिर्फ आलोचना तक सीमित नहीं है, यह ऑनलाइन

- डॉ. सत्यवान सौरभ

होती है। इसका इस्तेमाल अक्सर सार्वजनिक दंड के रूप में किया जाता है। लोग लाइक्स, शेयर्स और व्यूज के नाम पर किसी व्यक्ति की प्रतिष्ठा, करियर, परिवार और भविष्य को बर्बाद करने के लिए कुछ भी कर सकते हैं। दशकों की अच्छी प्रतिष्ठा पल भर में नष्ट हो सकती है। अदालत में निर्दोष साबित होने पर भी सामाजिक कलंक अक्सर मिटता नहीं है। तो फिर एक अहम सवाल उठता है। झूठे आरोप में फँसे व्यक्ति को सम्मान कौन दिलाएगा? क्या वायरल पोस्ट को हटाने से लोगों की याददाश्त मिट जाएगी? क्या सार्वजनिक रूप से अपमानित होने के बाद व्यक्ति पश्चाताप करेगा, या उसे भुला दिया जाएगा? ज्यादातर मामलों में ऐसा नहीं होता। कानूनी तौर पर निर्दोष साबित होने से सामाजिक क्षति की पूरी तरह भरपाई नहीं हो सकती। हालांकि, यह बात भी बेहद महत्वपूर्ण है कि असली अपराधियों के प्रति कोई सहानुभूति नहीं होनी चाहिए। महिलाओं, बच्चों या छात्रों की गरिमा और सुरक्षा से जुड़े मामलों को गंभीरता से लिया जाना चाहिए और दोषी पाए जाने वालों पर कड़ी कानूनी सजा लगाई जानी चाहिए। न्याय अवश्य होना चाहिए, चाहे वह निर्दोष ही क्यों न हो, और दोषियों को कठोर दंड मिलना चाहिए। न्याय का अर्थ केवल अपराध को दंडित करना ही नहीं है; इसमें उन लोगों की रक्षा करना भी शामिल है जिन पर गलत आरोप लगाए गए हैं। परंपरागत मीडिया और सोशल मीडिया की प्रतिस्पर्धा ने इस समस्या को और भी गंभीर बना दिया है। सबसे पहले खबर देने की होड़ में अक्सर तथ्यों की पुष्टि नहीं हो पाती। सुर्खियों का उद्देश्य पाठक की भावनाओं को भड़काना होता है। यदि बाद में कोई घटनाक्रम मूल रिपोर्ट के विपरीत साबित होता है, तो सुधारों पर उतना ध्यान नहीं दिया जाता। परिणामस्वरूप, गलत सूचना लाखों लोगों तक फैल जाती है जबकि सच्चाई उतनी देर तक नहीं पहुंच पाती। दुनिया को यह समझने की जरूरत है कि वायरल होने वाली कोई भी चीज हमेशा सही नहीं होती। मूल संदर्भ से अलग की गई सामग्री और जानकारी, कुछ सेकंड का वीडियो या एक अलग क्लिप, जनमत को पूरी तरह से गलत तरीके से प्रस्तुत कर सकती है। इसलिए, एक ज़िम्मेदार नागरिक के रूप में किसी निष्कर्ष पर पहुँचने के लिए धैर्य रखना, आलोचनात्मक रूप से सोचना और सत्यापित तथ्यों का सम्मान करना महत्वपूर्ण है।

परंपरागत रूप से, भारतीय समाज में शिक्षकों को भरोसेमंद और सम्मानित माना जाता है। जब कोई शिक्षक आपराधिक कृत्य द्वारा इस भरोसे को तोड़ता है, तो कानून को सख्त होना चाहिए क्योंकि यह न केवल कानून का, बल्कि जनता के भरोसे का भी उल्लंघन है। हालांकि, जब कोई शिक्षक झूठे आरोपों का शिकार होता है, तो यह समस्या केवल व्यक्तिगत नहीं होती, बल्कि शिक्षण पेशे की गरिमा का भी मामला बन जाती है। इसलिए, लोगों के निर्णय सबूतों पर आधारित होने चाहिए, न कि भावनाओं पर। अब समय आ गया है कि सोशल मीडिया को सकारात्मक चर्चा के मंच के रूप में इस्तेमाल किया जाए, न कि वैकल्पिक न्यायालय के रूप में। सभी नागरिकों को अपनी राय व्यक्त करने की स्वतंत्रता है, लेकिन केवल न्यायालयों को ही दोष सिद्ध करने का अधिकार है। साक्ष्य, कानूनी सिद्धांतों और उचित प्रक्रिया पर आधारित न्यायिक निर्णय ही संवैधानिक लोकतंत्र में न्यायपालिका के सम्मान का आधार हैं। हम डिजिटल नागरिक हैं और इसी नाते हमारी नैतिक जिम्मेदारियां भी हैं। कोई भी पोस्ट साझा करते समय, उसकी प्रामाणिकता की जांच करना महत्वपूर्ण है। ऑनलाइन अपमानजनक टिप्पणी करने से पहले हमें खुद से पूछना चाहिए कि अगर हमारे परिवार के किसी सदस्य के साथ ऐसा व्यवहार किया जाता तो हमें कैसा लगता। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अर्थ कभी भी किसी व्यक्ति की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने की स्वतंत्रता नहीं होना चाहिए, जब तक कि यह साबित न हो जाए। समाज और आरोपी दोनों का यह कर्तव्य है कि वे शिकायतकर्ता की बात सुनें, लेकिन साथ ही आरोपी को भी अपनी बात कहने का मौका दें। संतुलन संवैधानिक न्याय का मूल आधार है। यदि हम एकतरफा जानकारी के आधार पर निर्णय सुनाना शुरू कर दें, तो कोई भी झूठे आरोप और ऑनलाइन भीड़ की मानसिकता का शिकार बन सकता है।

अंततः, यह एक सीधा-सा सिद्धांत है। यदि निष्पक्ष न्यायिक प्रक्रिया के बाद शिक्षक दोषी पाया जाता है, तो यह अपराध अक्षम्य है और कानून को उसे कड़ी से कड़ी सजा देनी चाहिए। निष्पक्ष जांच पूरी होने से पहले दोषी करार देना न्याय नहीं, बल्कि भीड़तंत्र है। हालांकि, सोशल मीडिया के रुझान क्षणभंगुर होते हैं, और जल्दबाजी में सार्वजनिक निंदा करने से होने वाला नुकसान जीवन भर का घाव बन सकता है। एक सभ्य समाज वह है जो निर्णय आक्रोश या लोकप्रिय राय के आधार पर नहीं, बल्कि सत्य, प्रमाण, कानून के शासन और उचित प्रक्रिया के सम्मान के आधार पर लेता है। जैसे ही भीड़ न्यायाधीश बन जाती है, सबसे बड़ा नुकसान स्वयं सत्य का होता है।

# सनातन और हिन्दुओं की आस्था से खिलवाड़ का खतरनाक सिलसिला

बात 28 मई 1996 की है। लोकसभा में तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी अपनी सरकार के लिए विश्वास मत हासिल करने के दौरान संसद में भाषण दे रहे थे। इसी भाषण में उन्होंने कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों को राम मंदिर/अयोध्या मुद्दे पर चेताया था कि आपको बीजेपी से लड़ना है, राम से मत लड़िए। उसी दौरान पीछे बैठे किसी सांसद की तरफ से आवाज आई कि 'राम से लड़ोगे तो निपट जाओगे।' जैसी टिप्पणी का उल्लेख भी वायरल रूप में मिलता है, लेकिन यह शब्द कहने वाले का चेहरा सामने नहीं आया। परंतु हकीकत यही रही कि कांग्रेस प्रभु श्री राम से लड़ते-लड़ते अपने सबसे बुरे दौर में पहुंच गई है। कांग्रेस ने कभी राम के अस्तित्व को नकारा तो कभी राम सेतु के बारे में गलत बयानी की। यहां तक कि कांग्रेस के नेता और प्रधानमंत्री अयोध्या जाने तक से कतराते थे। अयोध्या जाते भी तो प्रभु श्री राम के दर्शन नहीं करते थे। यही क्रम आज भी चल रहा है। रामलला के मंदिर में चंदा चोरी की घटना के नाम पर आज भी कांग्रेस ऐसा ही कर रही है। चंदा चोरी के बहाने कांग्रेस और समाजवादी पार्टी ने सनातन और हिन्दुओं की आस्था को तार-तार करने की सभी हदें पार कर ली हैं।अयोध्या के श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में श्रद्धालुओं द्वारा अर्पित किए जाने वाले चढ़ावे और दानपात्र से हुई कथित गड़बड़ी का मुद्दा इस समय देश की राजनीति के केंद्र में है। जहां एक तरफ अयोध्या में ट्रस्ट और पुलिस प्रशासन इस पूरे मामले की गहन जांच में जुटा है और विशेष जांच टीम गठित कर संदिग्ध कर्मचारियों व सेवादारों की भूमिका खंगाल रही है, वहीं दूसरी ओर सनातन प्रेमी जनता और साधु-संतों में इस बात को लेकर भारी रोष है कि जांच के निष्कर्षों की प्रतीक्षा किए बिना संपूर्ण साधु समाज और सनातन परंपरा को कटघरे में खड़ा करने की कोशिश की जा रही है। अयोध्या के सम्मानित संतों का स्पष्ट कहना है कि किसी भी मंदिर परिसर में यदि कोई आपराधिक तत्व या कर्मचारी गलत कार्य में लिप्त पाया जाता है, तो उसे कठोरतम दंड मिलना चाहिए, लेकिन उस बहाने भारत की हजारों वर्ष पुरानी साधु-संत परंपरा और भगवा वस्त्रों का राजनीतिक तमाशा बनाना सर्वथा अनुचित है।

संसद के मानसून सत्र के दौरान जिस प्रकार का दृश्य देखने को मिला, उसने पूरे देश के सनातन प्रेमी समाज को स्तब्ध और आक्रोशित कर दिया है। संसद परिसर के मकर द्वार पर पूर्णिया से निर्दलीय सांसद पप्पू यादव को भगवा वस्त्र पहनाकर, माथे पर तिलक लगाकर और हाथ में

-अजय कुमार

दानपात्र थमाकर एक साधु की वेशभूषा में बैठाया गया। इसके बाद विपक्ष के नेताओं द्वारा एक पूर्वनियोजित नाटक (स्किट) मंचित किया गया, जिसमें तथाकथित साधु रूपी सांसद को दानपेटी में आए पैसों को अपनी जेब में डालते और फिर दानपात्र लेकर भागते हुए दिखाया गया। इस पूरे राजनीतिक नाटक में कांग्रेस नेता राहुल गांधी, समाजवादी पार्टी की सांसद डिंपल यादव, सपा के अयोध्या (फैजाबाद) से सांसद अवधेश प्रसाद समेत 'इंडिया' गठबंधन के कई प्रमुख नेताओं और कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया। राहुल गांधी ने उस नाटक में बाकायदा दान देने का अभिनय किया, जिसके बाद अखिलेश यादव की पार्टी के नेताओं और अन्य विपक्षी सहयोगियों ने इस पूरे घटनाक्रम का आनंद लेते हुए नारेबाजी की।इस पूरे प्रकरण पर जब समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट कर इस प्रदर्शन का समर्थन किया, तो देश भर के अखाड़ों, विद्वानों और नागरिकों में तीखी प्रतिक्रिया देखने को मिली। जनमानस का मानना है कि लोकतंत्र में विरोध दर्ज कराने के अनेक संवैधानिक और मर्यादित तरीके मौजूद हैं। परंतु भारत के सर्वोच्च विधायी सदन, संसद भवन के परिसर का उपयोग इस प्रकार के निम्नस्तरीय नाटकों और भगवाधारी संतों की छवि को 'चोर' के रूप में चित्रित करने के लिए करना संसदीय मर्यादाओं का चीरहरण है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने भी सदन और उसके परिसर में इस प्रकार वेश बदलकर नौटंकी करने पर अपनी सख्त नाराजगी जताई और स्पष्ट शब्दों में कहा कि संसद भवन देश के नीतिगत मुद्दों और जनसमस्याओं पर चर्चा के लिए है, न कि इस तरह के तमाशों के लिए। कानूनी विशेषज्ञों और संतों का मानना है कि धार्मिक प्रतीकों, भगवा वस्त्रों और साधु वेश का सार्वजनिक अपमान कर करोड़ों सनातनियों की भावनाओं को ठेस पहुंचाने के इस कृत्य पर सर्वोच्च अदालत को स्वयं संज्ञान लेते हुए कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए, ताकि भविष्य में किसी भी राजनीतिक लाभ के लिए देश की आस्था का ऐसा उपहास न उड़ाया जा सके।

सनातन धर्म और उसकी परंपराओं को कटघरे में खड़ा करने या उनके खिलाफ रणनीतिक बयानबाजी करने का विपक्ष का यह कोई पहला प्रयास नहीं है। इतिहास साक्षी है कि पिछले कुछ वर्षों में राजनीतिक लाभ साधने के लिए कई बार ऐसी बयानबाजियां की गईं, जिनसे बहुसंख्यक समाज की आस्था को ठेस पहुंची। 'भगवा आतंकवाद' जैसा भ्रामक शब्द गढ़ने से लेकर स्वामी प्रसाद मौर्य द्वारा श्रीरामचरितमानस की चौपाइयों पर विवादित टिप्पणियां करने और उसकी प्रतियों को जलाने तक का घटनाक्रम देश ने देखा है। तमिलनाडु में डीएमके नेता उदयनिधि स्टालिन द्वारा सनातन धर्म की तुलना 'मलेरिया, डेंगू और कोरोना' से करते हुए इसे मिटाने का आह्वान करना और उस पर कांग्रेस व अन्य विपक्षी सहयोगियों की चुप्पी या अप्रत्यक्ष समर्थन, सनातन के प्रति उनकी सोच को उजागर करता है। कभी प्रभु श्री राम के अस्तित्व को अदालत में 'काल्पनिक' बताने वाला हलफनामा देना, तो कभी अयोध्या में भव्य मंदिर निर्माण के समय उसे केवल राजनीतिक चुनावी मुद्दा बताकर उसका बहिष्कार करना; यह पूरी श्रृंखला दशार्ती है कि विपक्ष का एक वर्ग वैचारिक रूप से सनातन प्रतीकों के प्रति आक्रामक रहा है।संसद के इस हालिया प्रदर्शन में एक और पहलू ने देश की जागरूक जनता को गहराई से सोचने पर मजबूर किया है। वह है गैर-हिंदू और मुस्लिम नेताओं की इस तरह के धार्मिक प्रतीकों से जुड़े विरोध प्रदर्शनों में सक्रिय भागीदारी। जब भी किसी अन्य धर्म या संप्रदाय के प्रतीकों, मान्यताओं या वेशभूषा की बात आती है, तो विपक्ष की ओर से सहिष्णुता, गंगा-जमुनी तहजीब और धार्मिक संवेदनशीलता के लंबे-चौड़े भाषण दिए जाते हैं। परंतु जब भगवा वस्त्र, साधु वेश और राम मंदिर जैसे विषय आते हैं, तो वही नेता अन्य धर्मों के सहयोगियों को साथ लेकर सार्वजनिक मंचों पर उनका उपहास उड़ाने में तनिक भी संकोच नहीं करते। किसी गैर-हिंदू नेता द्वारा सनातन धर्म के पूज्य प्रतीकों का मजाक उड़ाते हुए ताली बजाना या उस नाटक का हिस्सा बनना हिंदू समाज के भीतर एक गहरा अविश्वास पैदा करता है। यह दोहरा मापदंड न केवल समाज के सामाजिक ताने-बाने को नुकसान पहुंचाता है, बल्कि यह सवाल भी खड़ा करता है कि क्या धर्मनिरपेक्षता की परिभाषा केवल एक विशेष धर्म की आस्थाओं का अपमान करने तक ही सीमित रह गई है?अयोध्या के मुख्य अर्चक, अखाड़ा परिषद और काशी-मथुरा के प्रमुख संतों ने इस घटना के बाद एक स्वर में कहा है कि यदि राम मंदिर के किसी दानपात्र या प्रबंधन में कोई वित्तीय अनियमितता हुई है, तो उसकी निष्पक्ष जांच हो और दोषी, चाहे कितना भी प्रभावशाली क्यों न हो, उसे जेल भेजा जाए। संत समाज स्वयं पारदर्शिता का पक्षधर है। लेकिन इस घटना की आड़ लेकर पूरी संत परंपरा को भ्रष्ट, लुटेरा और चंदा चोर साबित करने की जो साजिश संसद के प्रांगण में रची गई, वह अक्षम्य है। जिस साधु वेश ने भारत को चरित्र, त्याग, ज्ञान और विश्व बंधुत्व का संदेश दिया, उस

# शिक्षक समाज और देश को नई दिशा देता है : आचार्य पवन त्रिपाठी

## पवई में शिक्षिका मीना त्रिलोकीनाथ मिश्रा का सम्मान समारोह संपन्न

**मुंबई (उत्तरशक्ति)।** श्री लालबहादुर शास्त्री मेमोरियल ट्रस्ट द्वारा संचालित पवई स्थित श्रीमती शोभादेवी सिंह विद्यामंदिर की प्रशिक्षित सहायक शिक्षिका श्रीमती मीना त्रिलोकीनाथ मिश्रा के सेवानिवृत्ति सम्मान समारोह का आयोजन 31 जुलाई को पवई प्लाजा स्थित मंत्रा डाइनिंग हाल में किया गया। हिन्दी विद्या प्रचार समिति के सचिव डॉ राजेन्द्र सिंह, ट्रस्ट सचिव विवेक सिंह, भाजपा महामंत्री एवं श्री सिद्धिविनायक ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष आचार्य पवन त्रिपाठी, नवभारत समाचारपत्र के संपादक ब्रजमोहन पांडे, वरिष्ठ पत्रकार शिवपूजन पांडे, पूर्व नगरसेवक श्रीनिवास त्रिपाठी, ट्रस्ट सदस्य प्राची सिंह व नीलू सिंह इत्यादि गणमान्य अतिथियों ने उपस्थित रहकर अपनी शुभकामनाएँ दीं। इस अवसर पर आचार्य पवन त्रिपाठी ने कहा कि शिक्षक कभी भी सेवानिवृत नहीं होता। वह अपनी अंतिम सांस तक अपने ज्ञान से समाज को आलोकित करता है। डॉ राजेंद्र सिंह ने कहा कि शिक्षक सबसे अधिक सम्मानजनक पद है। बच्चे अपने माता-पिता से अधिक अपने शिक्षक का अनुसरण करते हैं। कार्यक्रम का संचालन डॉ त्रिलोकीनाथ मिश्रा ने किया। विद्यामंदिर के प्रधानाचार्य रमेश सिंह ने उपस्थितों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर उपस्थित प्रमुख लोगों में प्राचार्य हाकिम सिंह, प्राचार्य रामबचन प्रजापति, प्राचार्य लिली परेरा, संतोष पांडे, पत्रकार शैलेश तिवारी, रमेश तिवारी, सुनील यादव, संदीप तिवारी, आशा भब्बड, रमेश मिश्रा, अनिल यादव, राधेरमण मिश्रा, प्रदीप तिवारी, पियूष मिश्रा, पायल मिश्रा आदि का समावेश रहा।

## जिला परिषद पालघर में मनाई गई लोकशाहीर अण्णाभाऊ साठे की जयंती

**पालघर(उत्तरशक्ति)।** जिला परिषद पालघर में शनिवार 1 अगस्त 2026 को महान साहित्यकार, लोकशाहीर एवं समाज सुधारक अण्णाभाऊ साठे की जयंती श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर जिला परिषद के उपमुख्य कार्यकारी अधिकारी इजाज अहमद शरीक मसलत ने अण्णाभाऊ साठे के चित्र पर पुष्पहार अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि अण्णाभाऊ साठे मराठी साहित्य के महान रचनाकार, लोकशाहीर और सामाजिक जागरूकता के प्रखर संवाहक थे। उन्होंने अपनी कहानियों, उपन्यासों, पोवाड़ों तथा लोककलाओं के माध्यम से वंचित, शोषित और मेहनतकश समाज के जीवन-संघर्ष को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। उनका साहित्य सामाजिक समानता, न्याय और मानवता के मूल्यों को स्थापित करने का प्रेरणास्त्रोत है। इस अवसर पर जिला परिषद के सामान्य प्रशासन विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

## बोईसर से संजान आश्रम तक दिव्य कांवड़ यात्रा निकलेगी आज

**पालघर (उत्तरशक्ति)।** श्रावण मास के पावन अवसर पर बोईसर वाण गंगा शिव कांवड़ यात्रा संघ के तत्वावधान में रविवार 2 अगस्त 2026 को दिव्य कांवड़ यात्रा का आयोजन किया जायेगा। यह यात्रा पालघर जिले के बोईसर शहर, ओस्तवाल एम्पायर अंतर्गत स्थित इच्छापूर्ति श्री गणेश मंदिर से प्रारंभ होकर संजान आश्रम तक पहुंचेगी, जहां भगवान शिव का जलाभिषेक किया जायेगा।

आयोजकों के अनुसार कांवड़ यात्रा का शुभारंभ रविवार सुबह 8 बजे इच्छापूर्ति श्री गणेश मंदिर, ओस्तवाल एम्पायर से होगा। इसके पश्चात श्रावण के प्रथम सोमवार 3 अगस्त 2026 को प्रातः श्री अमरकंठ महादेवजी का पवित्र जल से अभिषेक किया जायेगा। इस धार्मिक आयोजन ब्रह्मलीन संत श्री श्री 1008 सरखण्डी जी महाराज के कृपापात्र शिष्य श्री 108 झारखण्ड ऋषिजी के मार्गदर्शन व सान्निध्य में होगा। आयोजन समिति ने बताया कि कांवड़ यात्रा पूरी श्रद्धा, भक्ति व धार्मिक उल्लास के साथ संजाण आश्रम के लिए प्रस्थान करेगी। आयोजकों ने क्षेत्र के श्रद्धालुओं से परिवार एवं इष्ट मित्रों सहित अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर पुण्य लाभ अर्जित करने की अपील की है। समिति का कहना है कि श्रावण मास में आयोजित यह कांवड़ यात्रा शिवभक्तों के लिए आस्था, भक्ति व सामाजिक एकता का प्रतीक बनेगी। इस आयोजन के बारे में अधिक जानकारी हेतु बी एन सिंह के दूरभाष नं.9371722417, मनदेव दुबे के दूरभाष नं. 8923411546, भावेश भानुशाली के दूरभाष नं. 8087142423, संगीता मिश्रा के दूरभाष नं. 8421099765 पर संपर्क कर सकते हैं।

## भिवंडी कृषि उत्पन्न बाजार समिति के निर्विरोध उपसभापति पद पर जय भगत की नियुक्ति

**भिवंडी (उत्तरशक्ति)।** भिवंडी तालुका कृषि उपज मंडी समिति के उपसभापति पद पर जय भगत का निर्विरोध चयन किया गया है। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) पक्ष के ठाणे ग्रामीण जिला सचिव जय भगत के चयन से समर्थकों में उत्साह है। पूर्व उपसभापति मनेश वसंत म्हात्रे के इस्तीफे के बाद रिक्त हुए पद के लिए गुरुवार (30 जुलाई) को समिति के कै. आत्माराम सखाराम गुळवी सभागृह में चुनाव कराया गया। चुनाव सहायक निबंधक, सहकारी संस्था भिवंडी एवं पीठासीन अधिकारी बालासाहेब पाटील की अध्यक्षता में हुई प्रक्रिया में जयनाथ रामदास भगत का एकमात्र नामांकन पत्र प्राप्त हुआ। इसके चलते उन्हें निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया। चुनाव की घोषणा के बाद सभापति सचिन बालाराम पाटील, निवर्तमान उपसभापति मनेश म्हात्रे, सचिव प्रवीण गायकवाड़ सहित समिति के संचालकों ने जय भगत का पुष्पगुच्छ देकर अभिनंदन किया और शुभकामनाएं दीं। जय भगत के चयन का शिवसेना (उद्धव ठाकरे) पक्ष के पदाधिकारियों ने स्वागत किया। इस अवसर पर पक्ष के उपनेता विश्वास थले, काशीनाथ पाटिल, कृष्णा वाकडे, दीपक पाटिल, प्रवीण पाटिल सहित विभिन्न क्षेत्रों के पदाधिकारी, पूर्व सभापति एवं स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

## भिवंडी में 139वां अखिल भारतीय अग्रवाल युवक-युवती परिचय सम्मेलन बडे हर्षोल्लाश के साथ संपन्न

**भिवंडी (उत्तरशक्ति)।** महाराजा अग्रसेन भवन में अखिल भारतीय अग्रवाल परिचय सम्मेलन के तत्वावधान में 139वां अखिल भारतीय अग्रवाल युवक-युवती परिचय सम्मेलन आयोजित किया गया। इसमें देश के विभिन्न शहरों से आए 200 से अधिक परिवारों ने अपने विवाह योग्य युवक-युवतियों के लिए रिश्ते तलाशे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महेश अग्रवाल, प्रबंध निदेशक रिजेंसी ग्रुप थे। अध्यक्षता राजेश ऐरन ने की। विशिष्ट अतिथियों में साधु तिवारी, प्रदीप रुंगटा, अनिल कुमार गर्ग, नंदकिशोर अग्रवाल, भूपेंद्र गुप्ता, नितिन पी. अग्रवाल, राजीव गुप्ता सहित समाज के अनेक पदाधिकारी एवं समाजसेवी उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि महेश अग्रवाल ने कहा कि ऐसे सम्मेलन समाज को एकजुट करने के साथ पारिवारिक मूल्यों और सामाजिक समरसता को मजबूत करते हैं।

अध्यक्ष राजेश ऐरन ने युवाओं से नौकरी के साथ व्यवसाय को भी प्राथमिकता देने की अपील करते हुए कहा कि युवा रोजगार मांगने वाले नहीं, बल्कि रोजगार देने वाले बनें।सम्मेलन में कल्याण, ठाणे, मुंबई, पुणे, नागपुर, दिल्ली, अकोला सहित कई शहरों से परिवार पहुंचे। कई युवाओं ने बिना दहेज विवाह का संकल्प लिया। वहीं, बिहार से बेटी के लिए रिश्ता तलाशने आए परिवार ने बताया कि उनकी बेटी ने नौकरीपेशा युवक के बजाय व्यवसायी जीवनसाथी को भी प्राथमिकता देने की इच्छा जताई है। मंच संचालन एवं युवक-युवतियों का परिचय नीलम शाह, बबीता अग्रवाल, रचना लोहिया, पूनम अग्रवाल और शैली अग्रवाल ने कराया। कार्यक्रम के समापन पर आयोजकों का स्वागत कर सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएं दी गईं।

## ईमानदार ऑटो चालक ने लौटाया यात्री का खोया हुआ मोबाइल

**घाटकोपर (उत्तरशक्ति)।** आज के दौर में, जहाँ ईमानदारी के उदाहरण कम देखने को मिलते हैं, वहीं घाटकोपर के जगदूशा नगर ऑटो रिक्शा स्टैंड के चालक समीर सकपाल ने अपनी ईमानदारी से एक मिसाल कायम की है। अमृतनगर से घाटकोपर रेलवे स्टेशन तक की यात्रा के दौरान एक यात्री अपना ओप्पो कंपनी का मोबाइल फोन ऑटो रिक्शा में ही भूल गया। कुछ समय बाद मोबाइल गायब होने का एहसास होने पर यात्री ने अपने मोबाइल पर संपर्क किया। संपर्क होने पर ऑटो चालक समीर सकपाल ने तुरंत जवाब दिया और यात्री को जगदूशा नगर ऑटो रिक्शा स्टैंड बुलाकर उसका मोबाइल बिना किसी अपेक्षा के सुरक्षित लौटा दिया। समीर सकपाल की इस ईमानदारी से प्रभावित होकर यात्री ने उनका हृदय से आभार व्यक्त किया। उनकी इस सराहनीय पहल की स्थानीय नागरिकों ने भी प्रशंसा की। लोगों का कहना है कि ऐसे ईमानदार ऑटो चालक समाज में विश्वास और मानवीय मूल्यों को मजबूत करने का कार्य करते हैं।

## जीवन विद्या मिशन द्वारा संस्कार शिक्षा एवं जीवन मूल्य जागृति शिविर आयोजित

**मुंबई (उत्तरशक्ति)।** शासकीय अंग्रेजी माध्यम आश्रमशाला, घोडेगांव (ता. आंबेगांव, जि. पुणे) में कक्षा 8वीं, 9वीं एवं 10वीं के 105 छात्र-छात्राओं तथा 10 शिक्षकों के लिए आयोजित एकदिवसीय संस्कार शिक्षा एवं जीवन मूल्य जागृति शिविर अत्यंत सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

इस शिविर के आयोजन के लिए अपर आयुक्त गोपीचंद कदम की प्रेरणा, प्रकल्प अधिकारी गणेश इवनाते के मार्गदर्शन तथा विद्यालय परिवार के उत्कृष्ट समन्वय का विशेष योगदान रहा। वहीं, जीवनविद्या मिशन ज्ञानपीठ, कर्जत द्वारा विद्यार्थियों के लिए संपूर्ण शिविर निःशुल्क आयोजित कर उत्कृष्ट व्याख्यान, प्रेरक मार्गदर्शन और आत्मीय वातावरण उपलब्ध कराया गया, जिससे विद्यार्थियों पर सकारात्मक एवं संस्कारपूर्ण प्रभाव पड़ा।

शिविर की सफलता में राजेश दादा पोवले के समर्पित सहयोग तथा पूरे आयोजन के पीछे निरंतर परिश्रम करने वाले डॉ. किशोर संखे की महत्वपूर्ण भूमिका रही। इस अवसर पर जीवनविद्या मिशन, मुंबई के आजीवन विश्वस्त श्री प्रल्हाद पै की सहमति से वैशाली राणे के मार्गदर्शन में विजया वाघमारे व भक्ती बागवडकर ने विद्यार्थियों के लिए उत्कर्ष विद्यार्थी संकल्प जीवनविद्या कार पाठ्यक्रम प्रभावी ढंग से संचालित किया। इस कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को जीवन-मूल्यों, अनुशासन, आत्मविश्वास एवं सकारात्मक जीवन-दृष्टि का अमूल्य संदेश मिला। विद्यालय के प्राचार्य गणेश गावडे ने जीवनविद्या मिशन ज्ञानपीठ, कर्जत के प्रबंधन, सभी प्रशिक्षकों, स्वयंसेवकों एवं कार्यकर्ताओं के प्रति विद्यालय परिवार की ओर से हार्दिक आभार एवं कृतज्ञता व्यक्त करते हुए भविष्य में भी विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए ऐसे प्रेरणादायी कार्यक्रमों के आयोजन की अपेक्षा व्यक्त की।

## पालघर में बाढ़ पीड़ितों के लिए शिवशक्ति सामाजिक संगठन बना सहारा, लाखों रुपए की राहत सामग्री वितरित

**पालघर(उत्तरशक्ति)।** पालघर जिले में हाल ही में आई भीषण बाढ़ के बाद जहां प्रशासन राहत एवं बचाव कार्यों में जुटा है, वहीं सामाजिक संगठन भी मानवता की मिसाल पेश कर रहे हैं। इसी कड़ी में शिवशक्ति सामाजिक संगठन ने बाढ़ प्रभावित परिवारों तक राहत सामग्री पहुंचाकर संकट की घड़ी में सराहनीय सेवा का परिचय दिया।

संगठन के प्रमुख संजय जे. पाटील के नेतृत्व में लगभग 4 लाख रुपये से अधिक मूल्य की किराना सामग्री और राशन किट तैयार कर पालघर, डहाणू और तलासरी तहसील के बाढ़ प्रभावित गांवों में वितरित की गई। राहत सामग्री का लाभ केलवे, किरात, बोरशेती, नागझरी, नानीवली, चिंचारे सहित कई आदिवासी बहुल गांवों के जरूरतमंद परिवारों को मिला। बाढ़ के कारण अनेक परिवारों के घरों में रखा खाद्यान्न एवं आवश्यक सामान पूरी तरह नष्ट हो गया था। ऐसे समय में संगठन के कार्यकताओं ने घर-घर पहुंचकर पीड़ितों को राशन उपलब्ध कराया तथा उनका हालचाल जानकर उन्हें हरसंभव सहायता का भरोसा दिलाया। संजय जे. पाटील ने कहा कि मानव सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है। उन्होंने बताया कि बिना किसी राजनीतिक उद्देश्य या प्रचार-प्रसार के केवल समाजसेवा की भावना से यह राहत अभियान चलाया गया, ताकि प्रभावित परिवारों को तत्काल मदद मिल सके। स्थानीय ग्रामीणों ने संगठन की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि आपदा की पहली घड़ी में जो लोग सबसे पहले सहायता के लिए पहुंचते हैं, वही समाज के सच्चे शुभचिंतक होते हैं। उन्होंने संजय पाटील और उनकी टीम के निस्वार्थ सेवा कार्य के लिए आभार व्यक्त किया। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में शिवशक्ति सामाजिक संगठन की इस पहल को लोगों ने मानवता, सामाजिक जिम्मेदारी और संवेदनशीलता का उत्कृष्ट उदाहरण बताया है।

## अंजुरफाटा-मानकोली, कशेली-खारबाव मार्ग पर भारी वाहनों की नो-एंट्री सख्ती से लागू करने से ही होगा यातायात जाम का समाधान

**भिवंडी (उत्तरशक्ति)।** अंजुरफाटा-मानकोली, कशेली और खारबाव क्षेत्र में लगातार हो रही यातायात जाम की समस्या को लेकर भिवंडी महानगरपालिका की नगरसेविका वनिता सुनील भगत ने यातायात पुलिस उपायुक्त पंकज शिरसाठ को ज्ञापन सौंपकर भारी वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध के नियमों को सख्ती से लागू करने की मांग की है। ज्ञापन में कहा गया है कि सुबह 8 बजे से रात 8 बजे तक भारी वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध होने के बावजूद इस मार्ग पर ऐसे वाहनों की आवाजाही जारी रहती है। इसके कारण आम नागरिकों, विद्यार्थियों, नौकरीपेशा लोगों तथा मरीजों को आए दिन भारी यातायात जाम का सामना करना पड़ता है। नगरसेविका भगत ने आरोप लगाया कि प्रतिबंधित समय में भारी वाहनों को प्रवेश देने के लिए कथित तौर पर 300 रुपये की दो रसीदें यानी कुल 600 रुपये लेकर वाहनों को आगे जाने दिया जाता है। इसके बाद अगले चौराहे पर वाहनों को रोककर इन रसीदों की जांच की जाती है। इस पूरी प्रक्रिया के कारण यातायात व्यवस्था और अधिक धीमी होकर लंबा जाम लग जाता है।

उन्होंने इस मामले की गहन जांच कर दोषी अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है। साथ ही प्रतिबंधित समय में किसी भी भारी वाहन को प्रवेश नहीं देने तथा सभी प्रमुख चौराहों पर प्रभावी यातायात नियोजन करने की मांग की गई है। वनिता भगत ने कहा कि नागरिकों को रोजाना होने वाली यातायात समस्या से तत्काल राहत दिलाने के साथ ही भविष्य में जाम की पुनरावृत्ति रोकने के लिए स्थायी उपाययोजना की जानी चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि समस्या का समाधान नहीं किया गया तो नागरिकों की तीव्र भावनाओं को देखते हुए लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन करने के लिए मजबूर होना।

## केईएम अस्पताल में आईसीयू बेड बढ़ाने सहित स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर शिवसेना की मांग

**मुंबई (उत्तरशक्ति)।** मुंबई महानगरपालिका के केईएम अस्पताल से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों को लेकर शिवसेना चांदिवली विधानसभा प्रमुख अशोक माटेकर तथा वार्ड क्रमांक 156 की नगरसेविका अश्विनी अशोक माटेकर ने मुंबई महानगरपालिका की स्वास्थ्य समिति के अध्यक्ष हरीश भादिर्गे से मुलाकात की। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने केईएम अस्पताल में आईसीयू बेड की संख्या बढ़ाने तथा महानगरपालिका के सभी प्रमुख अस्पतालों में पर्याप्त संख्या में डॉक्टर, नर्स एवं अन्य स्वास्थ्यकर्मियों की नियुक्ति सुनिश्चित करने की मांग की।

साथ ही मरीजों को बेहतर एवं समय पर उपचार उपलब्ध कराने, अस्पतालों पर बढ़ते दबाव को कम करने तथा स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक प्रभावी बनाने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। स्वास्थ्य समिति अध्यक्ष हरीश भादिर्गे ने इन मांगों पर सकारात्मक पहल और आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया।

## अमित शाह ने अजीत डोभाल को दिया लोकमान्य तिलक पुरस्कार, बोले- इतिहास में स्वर्णिम पृष्ठ सुरक्षित

**पुणे।** केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को पुणे में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल को प्रतिष्ठित 'लोकमान्य तिलक राष्ट्रीय पुरस्कार 2026' से सम्मानित किया। इस दौरान उन्होंने लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक की निडर राष्ट्रवादी सोच और ठरअ द्वारा स्थापित आधुनिक सुरक्षा ढांचे के बीच समानता बताई। तिलक की 106वीं पुण्यतिथि पर आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि भारत की सुरक्षा और विदेश नीति में डोभाल के योगदान ने उन्हें देश के इतिहास में एक स्थायी स्थान दिलाया है। शाह ने कहा कि जब भी इतिहास लिखा जाएगा और कोई आंतरिक व बाहरी सुरक्षा का विश्लेषण करेगा, तो निश्चित रूप से अजीत डोभाल जी के लिए एक स्वर्णिम पृष्ठ आरक्षित रखना होगा; इसमें कोई संदेह नहीं है।गृह मंत्री ने तिलक को श्रद्धांजलि देते हुए अपना भाषण शुरू किया और उन्हें ४युग-पुरुष४ बताया, जिन्होंने आजादी की लड़ाई को बदल दिया। शाह ने कहा कि तिलक महाराज ने आजादी की लड़ाई को एक नई दिशा और नया अर्थ दिया; उन्होंने एक महान घोषणा कीः 'स्वराज मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है।' कोई भी इस देश के लोगों को स्वराज नहीं दे सकता; यह अधिकार इस देश के लोगों का है और हम इसे हासिल करेंगे। उन्होंने करोड़ों लोगों के दिलों में स्वराज का मंत्र जगाया। एक युग-पुरुष, महान शिक्षक, निडर पत्रकार, विचारक, कर्मयोगी—लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक का आजादी की पूरी लड़ाई से जो जुड़ाव था, उसकी बराबरी कोई नहीं कर सकता; वे सबसे ऊँचे स्थान पर थे।शाह ने तिलक की ऐतिहासिक निडरता की तुलना डोभाल की ऑपरेशनल काबिलियत से की। उन्होंने कहा कि तिलक महाराज एक शिक्षक, राष्ट्रीय शिक्षा के जबरदस्त समर्थक और एक जोशीले पत्रकार थे। एक पत्रकार कितना निडर हो सकता है, यह 'केसरी' के लेख पढ़कर ही महसूस किया जा सकता है। एक महान विचारक के तौर पर, तिलक महाराज ने दुनिया के सामने भारत की आत्मा को पेश करने का काम किया। उन्होंने आगे कहा कि तिलक ने सांस्कृतिक राष्ट्रवाद को जन्म देने के लिए गणपति और शिवाजी उत्सव शुरू किए थे; यह एक ऐसा रास्ता है जिस पर देश आज भी चल रहा है।

NSA के साथ सीधे संबंध का ज़िक्र करते हुए, शाह ने गुजरात के गृह मंत्री के तौर पर अपने समय को याद किया और बताया कि डोभाल की विशेषज्ञता कितनी अहम साबित हुई थी। उन्होंने कहा कि हमारे देश में सिलसिलेवार बम धमाके हुए थे; उस समय अजीत जी से मेरी कोई जान-पहचान नहीं थी।

नरेंद्र मोदी जी तब गुजरात के मुख्यमंत्री थे; उन्होंने कहा था कि यह सिर्फ. एक बम धमाका नहीं है—इस धमाके के पीछे के लोगों और देश भर में हुए धमाकों की गुजरात पुलिस को जांच करनी चाहिए, और आपको अजीत डोभाल जी को बुलाकर अपने अधिकारियों के साथ इस पर चर्चा करनी चाहिए। मुझे याद है कि अजीत जी मेरे घर आए थे; दोपहर का समय था, और उन्होंने जो जानकारी दी, उससे गुजरात पुलिस न सिर्फ. अहमदाबाद बम धमाके को, बल्कि देश भर में हुए 13 बम धमाकों को एक साथ सुलझाने में कामयाब रही - यह एक बहुत बड़ी उपलब्धि थी।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागुराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

# सड़क पर बिखरे पत्थरों के बीच फिसली बाइक, स्वास्थ विभाग कर्मी की दर्दनाक मौत

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सड़क हादसों में हेलमेट की अहमियत एक बार फिर सामने आई है। रामपुर थाना क्षेत्र के गहरौल गांव के पास शनिवार सुबह हुए दर्दनाक हादसे में बरसठी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में तैनात असिस्टेंट रिसर्च ऑफिसर दीपक कुमार सरोज (40) की जान चली गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, यदि उन्होंने हेलमेट पहना होता तो सिर पर लगी गंभीर चोट से उनकी जान बचने की संभावना हो सकती थी।

जानकारी के अनुसार, वाजिदपुर निवासी दीपक कुमार सरोज शनिवार सुबह करीब 9:30 बजे अपनी बाइक से ड्यूटी के लिए बरसठी सीएचसी जा रहे थे। गहरौल गांव में नजीर सिंह की पाही के पास अचानक सड़क पार कर रहे एक सर्प को देखकर उन्होंने बाइक पर तेज ब्रेक लगाया। इसी दौरान सड़क निर्माण कार्य के कारण सड़क पर बिखरे गिट्टी-पत्थरों से बाइक फिसल गई और वह सड़क पर गिर पड़े। गिरने के दौरान उनके सिर में गंभीर चोट लगी और अत्यधिक रक्तस्राव होने से मौके पर ही उनकी मौ*त हो गई। हादसे के बाद आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंच गए और घटना की सूचना पुलिस को दी गई।

यह हादसा दो बड़ी लापरवाहियों की ओर इशारा करता है। पहली, सड़क निर्माण के दौरान सड़क पर बिखरे पत्थरों को समय रहते नहीं हटाया गया, जिससे दुर्घटना का खतरा बना रहा। दूसरी, दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट न पहनने की लापरवाही घातक साबित हुई।

विशेषज्ञों का मानना है कि सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों का बड़ा कारण सिर में लगने वाली चोट होती है और गुणवत्तापूर्ण हेलमेट ऐसी चोटों के जोखिम को काफी हद तक कम कर सकता है। इसलिए दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट पहनना केवल कानूनी बाध्यता नहीं, बल्कि जीवन की सुरक्षा का सबसे प्रभावी उपाय है।

# रिश्तेदार पर 70 लाख रुपये के गबन का आरोप, कारोबारी ने एसपी से लगाई न्याय की गुहार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। दिल्ली में आर्मी सहित तीनों सेनाओं को ग्रोसरी एवं सब्जियों की आपूर्ति करने वाले एक कारोबारी ने अपने रिश्तेदार पर करीब 65 से 70 लाख रुपये की कथित धोखाधड़ी, गबन और जालसाजी का आरोप लगाते हुए पुलिस अधीक्षक जौनपुर से कार्रवाई की मांग की है। पीड़ित का आरोप है कि भरोसे का फायदा उठाकर आरोपी ने वर्षों तक फर्जी बिल तैयार किए, नकदी का गबन किया और रकम मांगने पर जान से मारने की धमकी दी।

आजमगढ़ के बरदह थाना क्षेत्र के बेलहरी हसनपुर निवासी छोटेलाल बिंद ने एसपी को दिए शिकायती पत्र में बताया कि वह दिल्ली स्थित एस.एस. इंटरप्राइजेज के माध्यम से वर्षों से सेना को खाद्य सामग्री की आपूर्ति करते हैं। वर्ष 2018 में उन्होंने अपने रिश्तेदार सुनील कुमार बिंद, निवासी कुदुपुर (थाना लाइन बाजार, जौनपुर), को दुकान की देखरेख, हिसाब-किताब और ऑनलाइन लेनदेन की जिम्मेदारी सौंपी थी।

शिकायत के अनुसार, वर्ष 2018 से 2024 के बीच आरोपी ने अपनी पत्नी और मां के साथ मिलकर कथित रूप से फर्जी बिल तैयार किए और नकदी का गबन कर फर्म को करीब 65 से 70 लाख रुपये का नुकसान पहुंचाया। कारोबारी का कहना है कि लगातार हो रहे घाटे के कारण उन्हें विभिन्न बैंकों से करीब 77.12 लाख रुपये का ऋण लेना पड़ा।

पीड़ित का दावा है कि हिसाब-किताब की जांच के दौरान आरोपी ने गड़बड़ी स्वीकार की। आरोप है कि गबन की गई रकम आरोपी ने एटीएम के जरिए अपनी पत्नी और मां के संयुक्त बैंक खाते में जमा कराई। पंचायत के हस्तक्षेप के बाद आरोपी ने 10 लाख रुपये लौटाए और शेष रकम वापस करने का आश्वासन दिया था।

शिकायती पत्र में यह भी आरोप लगाया गया है कि करीब दो सप्ताह पहले आरोपी कुछ लोगों के साथ आया और बाकी रकम मांगने पर जान-माल की धमकी दी। पीड़ित ने पुलिस अधीक्षक से आरोपी और उसके सहयोगियों के खिलाफ धोखाधड़ी, गबन, जालसाजी एवं आपराधिक धमकी की धाराओं में एफआईआर दर्ज कर निष्पक्ष जांच तथा हड़पी गई धनराशि वापस दिलाने की मांग की है।

**नोट:** यह समाचार पुलिस अधीक्षक को दिए गए शिकायती पत्र पर आधारित है। आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। मामले में पुलिस की जांच और आधिकारिक कार्रवाई अभी लंबित है।

# 50 लाख से अधिक की परियोजनाओं की डीएम ने की समीक्षा, गुणवत्ता और समयबद्धता पर सख्त निर्देश

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी सैमुअल पॉल एन. ने कलेक्ट्रेट सभागार में 50 लाख रुपये से अधिक लागत वाली निर्माणाधीन परियोजनाओं की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण कार्य पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही या गुणवत्ता से समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

बैठक में डीएम ने धमापुर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और साइबर थाना भवन के निर्माण कार्यों का गुणवत्ता परीक्षण कराने के निर्देश दिए। वहीं त्रिलोचन महादेव मंदिर के भव्य विकास का प्रस्ताव शासन को भेजने तथा रासमंडल स्थित हनुमान मंदिर के सौंदर्यीकरण, फिनिशिंग और हरियाली विकसित करने के निर्देश दिए।

शीतला चौकियां मंदिर के निर्माण कार्यों की धीमी प्रगति पर नाराजगी जताते हुए डीएम ने श्रमिकों की संख्या बढ़ाकर कार्य शीघ्र पूरा कराने को कहा। साथ ही इंदिरा गांधी स्टेडियम में महिला शौचालय और स्विमिंग पूल को क्रियाशील रखने तथा स्टेडियम के नियमित रखरखाव के निर्देश भी दिए।

बैठक में उत्तर प्रदेश पुलिस आवास निगम के अधिकारियों की अनुपस्थिति पर जिलाधिकारी ने नाराजगी व्यक्त करते हुए उनके विरुद्ध उच्च स्तर पर पत्र भेजने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी विभागों को नियमित स्थलीय निरीक्षण कर निर्माण कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने और पूर्ण परियोजनाओं को शीघ्र जनता के लिए संचालित कराने के निर्देश दिए।

## शाहगंज पुलिस ने दो शातिर चोरों को किया गिरफ्तार, चोरी की बकरी व नकदी बरामद

शाहगंज,जौनपुर ( उत्तरशक्ति )। अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत शाहगंज पुलिस ने दो शातिर चोरों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी की एक बकरी और 3,000 रुपये नकद बरामद किए हैं। दोनों आरोपी आजमगढ़ जनपद के रहने वाले हैं और पूछताछ में उन्होंने चोरी की घटनाओं में अपनी संलिप्तता स्वीकार की है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह के निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक नगर आयुष श्रीवास्तव तथा क्षेत्राधिकारी शाहगंज गिरेन्द्र सिंह के पर्यवेक्षण में पुलिस टीम चोरी गई बकरी और आरोपियों की तलाश में जुटी थी। शनिवार को मुखबिर की सूचना पर चिरैया मोड़ के पास से अरशद कुरैशी और राजेंद्र सैनी को गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसार, तलाशी के

दौरान दोनों के पास से कुल 3,000 रुपये बरामद हुए। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि यह रकम पूर्व में नजीराबाद क्षेत्र में हुई चोरी की बची हुई राशि है। साथ ही उन्होंने 31 जुलाई को ताखा पूरब क्षेत्र से बकरी चोरी करने की बात भी स्वीकार की। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर चोरी गई बकरी भी बरामद कर ली। जांच के दौरान यह भी सामने आया कि दोनों आरोपियों के खिलाफ आजमगढ़ और जौनपुर के विभिन्न थानों में चोरी, लूट, हत्या के प्रयास और अन्य गंभीर धाराओं में पहले से कई मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस ने दोनों आरोपियों के विरुद्ध संबंधित धाराओं में विधिक कार्रवाई करते हुए उन्हें न्यायालय भेज दिया है। गिरफ्तारी करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक तेज बहादुर सिंह, उपनिरीक्षक अजय कुमार सिंह एवं थाना शाहगंज की पुलिस टीम शामिल रही।

# सीआरओ के हस्तक्षेप से थमा शाहगंज पालिका विवाद, 15 दिन में सुधार के निर्देश

विशाल सोनी

शाहगंज जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शाहगंज नगर पालिका परिषद में चेयरमैन रचना सिंह और अधिशासी अधिकारी (ईओ) अंजनी मिश्रा के बीच पिछले कई दिनों से चला आ रहा टकराव फिलहाल प्रशासनिक हस्तक्षेप के बाद थमता नजर आ रहा है। जिला मुख्यालय पर

> बैठक के बाद मीडिया से बातचीत में चेयरमैन प्रतिनिधि वीरेंद्र सिंह 'बंटी' ने कहा कि अधिकारी हों या

> जनप्रतिनिधि, सभी का दायित्व जनता की सेवा करना और शासन की मंशा के अनुरूप जनहित के कार्यों को प्राथमिकता देना है। उन्होंने कहा कि किसी भी स्तर पर तानाशाही या आम नागरिकों के कार्यों में लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उनका कहना था कि नगर पालिका प्रशासन को भ्रष्टाचार मुक्त और जवाबदेह बनाना ही उनका संकल्प है।
>
> **चेयरमैन रचना सिंह व वीरेंद्र सिंह बंटी**
> पति व प्रतिनिधि, नगर पालिका शाहगंज

मुख्य राजस्व अधिकारी (सीआरओ) अजय कुमार अम्बष्ट की अध्यक्षता में हुई तीन घंटे से अधिक चली बैठक में दोनों पक्षों के बीच सहमति बनी। इन्हीं कहा कि कार्यशैली में सुधार लाने के लिए 15 दिन का समय देते हुए जनहित से जुड़े कार्यों में किसी प्रकार की लापरवाही न बरतने की

### अगली बोर्ड बैठक में स्वयं समीक्षा करेंगे मुख्य राजस्व अधिकारी

### नियमावली के हिसाब से होगा नामान्तरण सहित अन्य कार्य

> पूरे प्रकरण के मामले में जब अधिशासी अधिकारी अंजनी मिश्रा से बात की गई तो उन्होंने कहा की नामान्तरण में जो आवश्यक दस्तावेज लगते हैं उसे मांगा जाता है जैसे निकट सम्बन्धित प्रमाण पत्र आदि जिसे लेकर सभासदों और चेयरमैन का कहना था की इसके पूर्व ऐसा नही होता था जबकि जो नियमावली है उसी के हिसाब से कार्य के सम्पादन की बात कही गयी थी जो कुछ लोगों को रास नही आई। फिलहाल एडीएम द्वारा सारे मामलो का पटाक्षेप कर दिया गया है और नियमानुसार कार्य करने की बात कही गयी है।
>
> **अंजनी मिश्रा**- अधिशासी अधिकारी, नगर पालिका परिषद शाहगंज।

सख्त हिदायत दी। साथ ही उन्होंने अगली बोर्ड बैठक में स्वयं उपस्थित होकर कार्यों की समीक्षा करने का आश्वासन दिया।

नगर पालिका परिषद में नामांतरण की फाइलों के निस्तारण में देरी, कथित धन उगाही, जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र जारी करने में अनावश्यक विलंब तथा नगर की सफाई व्यवस्था में लापरवाही को लेकर पिछले करीब एक महीने से चेयरमैन और अधिशासी अधिकारी के बीच विवाद चल रहा था। चेयरमैन और सभासदों का आरोप है कि आम नागरिकों को छोटे-छोटे कार्यों के लिए कई दिनों तक पालिका के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं, जिससे लोगों में असंतोष बढ़ रहा है।

विवाद उस समय और गहरा गया जब रचना सिंह ने अपने पद से इस्तीफा देने का मन बना लिया। बुधवार देर रात इस्तीफे की सूचना फैलते ही बड़ी संख्या में समर्थक और सभासद उनके आवास पर पहुंच गए। मामले की गंभीरता को देखते हुए इसकी जानकारी जनप्रतिनिधियों, पार्टी पदाधिकारियों और वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों को दी गई।

स्थिति बिगड़ती देख मुख्य राजस्व अधिकारी ने दोनों पक्षों को जिला मुख्यालय स्थित अपने कार्यालय में तलब किया। लंबी चली बैठक में उन्होंने अधिशासी अधिकारी को जनहित के कार्यों में लापरवाही पर फटकार लगाई और चेयरमैन व बोर्ड के साथ समन्वय बनाकर कार्य करने का निर्देश दिया। सीआरओ ने स्पष्ट किया कि 15 दिन के भीतर कार्यप्रणाली में अपेक्षित सुधार दिखना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि अगली बोर्ड बैठक में स्वयं उपस्थित रहकर विकास कार्यों और जनहित से जुड़े मामलों की समीक्षा करेंगे।

### सभी को मिलाकर चलने की जिम्मेदारी होती है चेयरमैन की

> वहीं इस घटनाक्रम पर विचार रखते हुए पूर्व चेयरमैन गीता जायसवाल के पति व प्रतिनिधि भाजपा नेता प्रदीप जायसवाल ने कहा की चेयरमैन एक जिम्मेदारी से भरा पद है। जिसमे नगर पालिका के अधिकारी, कर्मचारियों, और सभासदों सहित नगर वासियों को मिलाकर साथ चलना पड़ता है।
>
> **प्रदीप जायसवाल**
> पूर्व चेयरमैन पति व प्रतिनिधि
> नगर पालिका शाहगंज, जौनपुर।

## प्रेम प्रसंग बना हत्या की वजह!

# सोशल मीडिया इंफ्लूएंसर पर ममेरे भाई की हत्या का आरोप

प्रयागराज (उत्तरशक्ति)। प्रयागराज में रिश्तों को शर्मसार करने वाली एक सनसनीखेज वारदात सामने आई है। सोशल मीडिया इंफ्लूएंसर शिवम राय को अपने ममेरे भाई सुमित उर्फ साहिल की हत्या के आरोप में पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी ने पहले सुमित का अपहरण किया, फिर हथौड़े से हमला कर उसकी हत्या कर दी और पहचान छिपाने के लिए शव को जला दिया। अपहरण के सात दिन बाद पुलिस ने

अधजला शव बरामद कर मामले का खुलासा किया। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि सुमित ने अपनी एक महिला मित्र से शिवम की मुलाकात कराई थी। इसके बाद शिवम भी युवती को पसंद करने लगा, जिससे दोनों के बीच विवाद बढ़ गया। पुलिस का मानना है कि इसी प्रेम प्रसंग के चलते हत्या की साजिश रची गई। फिलहाल पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर पूछताछ शुरू कर दी है। मामले में साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं और पुलिस सभी पहलुओं की गहन जांच कर रही है। अधिकारियों का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद पूरे घटनाक्रम का विस्तृत खुलासा किया जाएगा।

## कांवड़ यात्रा को लेकर वाराणसी में रूट डायवर्जन लागू, शनिवार रात 8 बजे से भारी वाहनों की नो-एंट्री

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। सावन माह में श्री काशी विश्वनाथ मंदिर समेत प्रमुख शिवालयों में श्रद्धालुओं और कांवड़ियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए यातायात पुलिस ने विशेष रूट डायवर्जन लागू किया है। यह व्यवस्था शनिवार रात 8 बजे से मंगलवार सुबह 8 बजे तक प्रभावी रहेगी। इस दौरान चांदपुर चौराहे से मोहनसराय तक कांवड़ वाहनों को छोड़कर अन्य सभी वाहनों का संचालन प्रतिबंधित रहेगा। यातायात पुलिस के अनुसार, वाराणसी सीमा के गुड़िया बॉर्डर, रखौना अंडरपास, राजातालाब, मोहनसराय और मुंडला तिराहा से चांदपुर तक बाईं लेन पूरे सावन माह में केवल कांवड़ वाहनों के लिए सुरक्षित रहेगी। रविवार और सोमवार की रात 11 बजे खुलने वाली नियमित नो-एंट्री भी इस अवधि में नहीं खोली जाएगी। हालांकि दूध, फल, सब्जी और एलपीजी गैस ले जाने वाले वाहनों को प्रतिबंध से छूट दी गई है।

अपर पुलिस उपायुक्त (यातायात) अंशुमान मिश्रा ने बताया कि गाजीपुर, मऊ, आजमगढ़, जौनपुर, चंदौली, प्रयागराज और भदोही की ओर से वाराणसी होकर गुजरने वाले सभी भारी वाहनों और अंतरजनपदीय बसों का शहर में प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। इन वाहनों को रिंग रोड और राष्ट्रीय राजमार्ग-19 से होकर अपने गंतव्य तक जाने की व्यवस्था की गई है।

हल्के वाहनों और रोडवेज बसों के लिए भी वैकल्पिक मार्ग निर्धारित किए गए हैं। प्रयागराज की ओर से आने वाले हल्के वाहन कछवां रोड, राजातालाब, मोहनसराय बाईपास, अमरा-अखरी, चितईपुर, भिखारीपुर, बीएलडब्ल्यू और ककरमत्ता होते हुए मंडुवाडीह रेलवे स्टेशन तक पहुंच सकेंगे। वहीं प्रयागराज, मीरजापुर, सोनभद्र और चंदौली से आने वाली बसें राष्ट्रीय राजमार्ग-19 के रास्ते हरहुआ होकर शहर में प्रवेश करेंगी, जबकि गाजीपुर, आजमगढ़ और जौनपुर की ओर से आने वाली बसों के लिए हरहुआ, गिलट बाजार, शिवपुर, फुलवरिया और लहरतारा होकर कैंट बस स्टेशन तक पहुंचने का मार्ग निर्धारित किया गया है। यातायात पुलिस ने श्रद्धालुओं और वाहन चालकों से निर्धारित रूट डायवर्जन का पालन करने और यात्रा से पहले वैकल्पिक मार्गों की जानकारी लेकर ही निकलने की अपील की है।

# खुटहन पुलिस मुठभेड़ में हिस्ट्रीशीटर समेत दो बदमाश गिरफ्तार, पैर में गोली लगने से एक घायल

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना खुटहन पुलिस ने चेकिंग के दौरान हुई मुठभेड़ में एक अंतर्जनपदीय शातिर अपराधी समेत दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मुठभेड़ के दौरान एक बदमाश के पैर में गोली लगी, जिसे इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खुटहन भेजा गया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से एक देशी तमंचा, एक खोखा कारतूस, एक जिंदा कारतूस और एक मोटरसाइकिल बरामद की है।

पुलिस के अनुसार, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जौनपुर के निर्देशन में अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत 31 जुलाई की रात थाना खुटहन पुलिस सुईथाखुर्द नहर पुलिया के पास चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान मोटरसाइकिल सवार बदमाशों ने पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग कर दी।

पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की, जिसमें एक बदमाश रिंकू यादव उर्फ ओमप्रकाश यादव

(35 वर्ष), निवासी भेला थाना सरपतहां, जौनपुर के बाएं पैर में गोली लग गई। वहीं उसके साथी सत्यम लोना उर्फ लल्लू (23 वर्ष), निवासी शाहपुर फिरोजपुर थाना जलालपुर, जनपद अंबेडकरनगर को पुलिस ने मौके से गिरफ्तार कर लिया। घायल आरोपी रिंकू यादव को उपचार के लिए सीएचसी खुटहन भेजा गया। पुलिस के मुताबिक रिंकू यादव थाना सरपतहां का हिस्ट्रीशीटर है और उसके खिलाफ जौनपुर, आजमगढ़, प्रयागराज, अंबेडकरनगर, सुल्तानपुर, अमेठी समेत कई जनपदों में चोरी, लूट, गैंगस्टर, शस्त्र अधिनियम सहित गंभीर धाराओं में मुकदमे दर्ज हैं।

पुलिस जांच में सामने आया कि दोनों आरोपी थाना खुटहन में दर्ज मुकदमे से संबंधित वांछित थे। गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ विधिक कार्रवाई की जा रही है।

गिरफ्तारी करने वाली टीम में थानाध्यक्ष विक्रम लक्ष्मण सिंह, वरिष्ठ उपनिरीक्षक प्रेमशंकर सिंह सहित थाना खुटहन की क्राइम टीम और पुलिसकर्मी शामिल रहे।

# मूर्ति तोड़ने की घटनाओं पर उठे सवाल, आरोपी अब तक पुलिस की पकड़ से बाहर

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। वाराणसी में बीते कुछ दिनों से मंदिरों और धार्मिक स्थलों पर मूर्तियां तोड़े जाने की घटनाओं ने लोगों की चिंता बढ़ा दी है। हर घटना के बाद प्रशासन शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए नई मूर्तियां स्थापित कराता है और मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू करता है, लेकिन अधिकांश मामलों में आरोपी अब तक पुलिस की गिरफ्त से बाहर हैं। ऐसे में कानून व्यवस्था और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल उठ रहे हैं।

इन मामलों की जांच में सबसे बड़ी बाधा कई धार्मिक स्थलों पर सीसीटीवी कैमरों का अभाव माना जा रहा है। पर्याप्त तकनीकी साक्ष्य न होने के कारण पुलिस को संदिग्धों की पहचान करने में कठिनाई होती है, जिससे जांच प्रभावित होती है।

विशेषज्ञों और स्थानीय लोगों का मानना है कि केवल नई मूर्तियां स्थापित कर देना और मुकदमा दर्ज कर देना पर्याप्त नहीं है। भविष्य में

ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए मंदिरों और धार्मिक स्थलों की सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करना आवश्यक है।

इसके लिए ग्राम प्रधान, सभासद, स्थानीय जनप्रतिनिधियों और सामाजिक संगठनों को मिलकर प्रमुख मंदिरों एवं धार्मिक स्थलों पर सीसीटीवी कैमरे लगाने की पहल करनी चाहिए। साथ ही स्थानीय नागरिकों की निगरानी समिति बनाकर मंदिरों की सुरक्षा, साफ-सफाई और आसपास की गतिविधियों पर नियमित नजर रखी जा सकती है।

यदि प्रशासन और स्थानीय समुदाय के सहयोग से संवेदनशील धार्मिक स्थलों पर प्रभावी निगरानी व्यवस्था विकसित की जाती है, तो ऐसी घटनाओं पर अंकुश लगाने के साथ-साथ किसी भी वारदात की स्थिति में आरोपियों तक पहुंचना भी पुलिस के लिए अधिक आसान हो सकेगा।

# भाजपा ने मनाया 'श्री गुरु रविदास महाराज कलश वंदन अभियान', समरसता का दिया संदेश

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। भारतीय जनता पार्टी जौनपुर द्वारा संत शिरोमणि श्री गुरु रविदास जी महाराज के 650वें प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में चलाए जा रहे राष्ट्रव्यापी 'समरसता संकल्प अभियान' के अंतर्गत शनिवार को जिला कार्यालय पर 'श्री गुरु रविदास महाराज कलश वंदन कार्यक्रम' का भव्य आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ गुरु रविदास जी के चित्र पर माल्यार्पण, दीप प्रज्वलन और पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। इसके बाद वाराणसी स्थित सीर गोवर्धनपुर की पवित्र माटी से भरे कलश का विधि-विधान और मंत्रोच्चार के साथ पूजन किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता, सामाजिक कार्यकर्ता और स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे तथा सामाजिक समरसता और भाईचारे को मजबूत बनाने का संकल्प लिया।

मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद सीमा द्विवेदी ने कहा कि संत रविदास जी ने ऊंच-नीच, जाति-पाति और भेदभाव से मुक्त समाज का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में सरकार संत रविदास जी के समरस

समाज के सपने को साकार करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

जिला महामंत्री पीयूष गुप्ता ने कहा कि संत रविदास जी के 650वें प्रकाश पर्व को भाजपा पूरे देश में ऐतिहासिक रूप से मना रही है। उन्होंने बताया कि 'कलश वंदन अभियान' जिले के प्रत्येक मंडल और गांव तक पहुंचाया जाएगा, जिससे सामाजिक समरसता और विकसित भारत के संकल्प को मजबूती मिलेगी।

जिला महामंत्री अजय सिंह ने कहा कि सीर गोवर्धनपुर से लाई गई पवित्र माटी सामाजिक एकता और सद्भाव का प्रतीक है। पार्टी कार्यकर्ता इस पावन कलश को जिले के प्रमुख संत-महात्माओं, मंदिरों और जन-जन तक पहुंचाकर संत रविदास जी के विचारों का प्रचार-प्रसार करेंगे।

जिला महामंत्री संदीप तिवारी ने कहा कि काशी में गुरु रविदास जन्मस्थली का ऐतिहासिक कायाकल्प सरकार की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि कलश वंदन अभियान के माध्यम से संत रविदास जी के समरसता के संदेश को घर-घर पहुंचाने का संकल्प लिया गया है।

कार्यक्रम में जिला उपाध्यक्ष पंकज मिश्रा, राज पटेल, परविन्द चौहान, अमित श्रीवास्तव, विनय सिंह, नीरज मौर्य, पुष्पा निषाद, संतोष मिश्रा, राजकेशर पाल, धर्मेन्द्र मिश्रा, डॉ. देवी प्रसाद सिंह, अंशु मौर्य, राजेश गुप्ता, सुधांशु सिंह, विकास शर्मा, रीता जायसवाल, दीपक सिंह, घनश्याम यादव, आमोद सिंह, डॉ. अमरनाथ पाण्डेय, रोहन सिंह, सतीश सिंह, अमित पाठक, कुँवर दिग्विजय सिंह, सिद्धार्थ राय, अवनीश यादव, अनिल गुप्ता, रागिनी सिंह, मेराज हैदर, विकास ओझा सहित मंडल अध्यक्ष, मंडल प्रभारी और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

# समाजवादी पार्टी की मासिक बैठक में संगठन विस्तार और बूथ सशक्तिकरण पर दिया गया जोर

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर शनिवार को जिला कार्यालय पर सपा चुंगी स्थित अल्फस्टीनगंज में सपा की मासिक बैठक जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने, आगामी कार्यक्रमों की रणनीति और कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी पर विशेष जोर दिया गया।

बैठक को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य ने कहा कि पार्टी की नीतियों और जनहित के मुद्दों को गांव-गांव तक पहुंचाने के लिए सभी पदाधिकारी और कार्यकर्ता सक्रिय भूमिका निभाएं। उन्होंने संगठन को मजबूत करने और आगामी कार्यक्रमों को सफल बनाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। बैठक में पूर्व विधायक राजनारायण बिंद, लालबहादुर यादव, प्रदेश सचिव हिसामुद्दीन शाह, राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश अहीर सहित कई वरिष्ठ नेताओं और पदाधिकारियों ने संगठन की मजबूती तथा जनसंपर्क अभियान पर अपने विचार रखे।

इस दौरान मड़ियाहूं विधानसभा क्षेत्र के नद्दीरामपुर निवासी अशोक मिश्रा ने समाजवादी पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य एवं वरिष्ठ नेताओं ने उनका स्वागत करते हुए विश्वास जताया कि उनके जुड़ने से संगठन को और मजबूती मिलेगी।

बैठक का संचालन जिला महासचिव आरिफ हबीब ने किया।

कार्यक्रम के अंत में महिला सभा की प्रदेश सचिव ऊषा जायसवाल के पिता बसंतलाल गुप्ता तथा जनपद के अन्य दिवंगत पीडीए परिवारों के सदस्यों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए दो मिनट का मौन रखा गया और शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की गई। बैठक में बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं समर्थक उपस्थित रहे।

# एलडीए में रिश्वतखोरी का खुलासा, जेई व सुपरवाइजर समेत तीन गिरफ्तार

लखनऊ (उत्तरशक्ति)। भ्रष्टाचार के खिलाफ विजिलेंस विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) के एक जूनियर इंजीनियर (जेई), सुपरवाइजर और एक निजी सहयोगी को 7.50 लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। कार्रवाई के बाद एलडीए में हड़कंप मच गया। जानकारी के मुताबिक, गोमतीनगर स्थित एलडीए मुख्यालय के गेट के पास विजिलेंस टीम ने जोन-5 में तैनात जेई दिनेश कुमार वर्मा को रिश्वत की पहली किस्त के रूप में 7.50 लाख रुपये लेते समय पकड़ लिया। मामले में सुपरवाइजर चंद्र प्रकाश और निजी व्यक्ति श्रवण कुमार को भी हिरासत में लिया गया है। आरोप है कि एक बिल्डर के निर्माण कार्य को रोकने की धमकी देकर उससे 15 लाख रुपये की रिश्वत मांगी गई थी। बिल्डर ने इसकी शिकायत विजिलेंस से की, जिसके बाद टीम ने जाल बिछाकर कार्रवाई को अंजाम दिया।

विजिलेंस टीम अब मामले की जांच कर रही है और आरोपितों के खिलाफ आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। इस कार्रवाई से एलडीए के अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों में भी खलबली मची हुई है।

# पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी ने अंतरराष्ट्रीय पदक विजेता अतिक्ष ओझा का किया सम्मान

मुंबई। यूरोप में आयोजित द्वितीय अंतर्राष्ट्रीय रोलर सर्फ चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन कर भारत का गौरव बढ़ाने वाले होनहार खिलाड़ी अतिक्ष ओझा को पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी ने अपने कार्यालय में सम्मानित किया। इस अवसर पर उन्होंने अतिक्ष को शॉल ओढ़ाकर एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर उनकी ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए बधाई दी। अतिक्ष ओझा ने बेलारूस में आयोजित द्वितीय अंतर्राष्ट्रीय रोलर सर्फ चैंपियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए तीन पदक अपने नाम किए। उन्होंने सऊदी अरब, मिस्र, रूस, बेलारूस, यूनाइटेड किंगडम, ओमान और भारत सहित सात देशों के खिलाड़ियों के बीच तीन अलग-अलग स्पर्धाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। अतिक्ष ने 300 मीटर स्पर्धा में रजत पदक, 500 मीटर स्पर्धा में रजत पदक तथा 3000 मीटर स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर भारत का तिरंगा अंतरराष्ट्रीय मंच पर गौरवान्वित किया। पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी ने अतिक्ष की इस उपलब्धि की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की और कहा कि ऐसे प्रतिभाशाली खिलाड़ी देश के युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत हैं।

# बच्चों के सामने स्कूली वैन चालक की पिटाई, पुलिस की मौजूदगी पर उठे सवाल

**जौनपुर (उत्तरशक्ति)।** पीली कोठी और नाथूपुर के बीच रेलवे क्रॉसिंग पर स्कूली बच्चों से भरी वैन को रोककर कार सवार कुछ लोगों द्वारा कथित रूप से चालक की पिटाई किए जाने का मामला सामने आया है। आरोप है कि हमलावरों ने बच्चों के साथ भी हाथापाई का प्रयास किया। घटना के दौरान बच्चों के सामने गाली-गलौज और मारपीट से वे सहम गए। बताया गया कि यूपी 62 बीवाई 9297 नंबर की कार में सवार लोगों ने रेलवे क्रॉसिंग के पास स्कूली वाहन को रोक लिया। आरोप है कि इसके बाद चालक के साथ मारपीट की गई। चालक मदद के लिए गुहार लगाता रहा। सबसे गंभीर सवाल यह है कि घटनास्थल से कुछ दूरी पर डायल 112 की पुलिस मौजूद होने के बावजूद कथित रूप से तत्काल हस्तक्षेप नहीं किया गया। चालक का आरोप है कि पुलिसकर्मियों ने कार्रवाई करने के बजाय विद्यालय प्रबंधन से बात करने को कहकर मामले को टाल दिया। यदि यह आरोप सही है तो सवाल उठना स्वाभाविक है कि बच्चों की सुरक्षा के लिए मौके पर मौजूद पुलिस ने अपनी जिम्मेदारी क्यों नहीं निभाई घटना के दौरान मौजूद कुछ लोग भी मदद करने के बजाय मोबाइल से वीडियो बनाते रहे। आरोप है कि दबंग खुलेआम यह कहते हुए चले गए कि उनका कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता। यह घटना केवल मारपीट का मामला नहीं, बल्कि स्कूली बच्चों की सुरक्षा और कानून-व्यवस्था पर बड़ा सवाल है। पुलिस प्रशासन को यह स्पष्ट करना चाहिए कि डायल 112 की टीम ने मौके पर क्या कार्रवाई की और आरोपियों के खिलाफ अब तक क्या कदम उठाए गए। बच्चों के सामने हुई कथित दबंगई पर यदि कार्रवाई नहीं हुई तो यह संदेश जाएगा कि कानून का डर केवल आम आदमी के लिए है।

# कमीशन बढ़ाने की मांग को लेकर कोटेदारों का ऐलान, राशन उठान और वितरण बंद करने की चेतावनी

**जौनपुर (उत्तरशक्ति)।** कमीशन वृद्धि सहित विभिन्न मांगों को लेकर जिले के कोटेदारों ने राशन उठान और वितरण कार्य बंद करने का ऐलान किया है। शनिवार को नईगंज में ऑल इंडिया फेयर प्राइस शॉप डीलर्स एसोसिएशन का जिला अधिवेशन आयोजित किया गया, जिसमें जिलेभर से पहुंचे कोटेदारों ने अपनी समस्याओं पर मंथन किया। अधिवेशन के मुख्य अतिथि संगठन के प्रदेश अध्यक्ष राजेश तिवारी रहे। जिलाध्यक्ष हरशु सिंह ने संगठन की मजबूती पर जोर देते हुए कोटेदारों से एकजुट रहने का आह्वान किया। मड़ियाहूं तहसील अध्यक्ष महेंद्र यादव ने कहा कि जिले के सभी कोटेदार संगठन के साथ मजबूती से खड़े हैं और प्रदेश नेतृत्व के निर्णयों का पालन करेंगे। जिला महासचिव पद्माकर उपाध्याय ने संगठन को मजबूत बनाने के लिए सुझाव दिए। इस दौरान विभिन्न ब्लॉक और तहसील अध्यक्षों ने भी अपने विचार रखे और संगठन की एकजुटता बनाए रखने का संकल्प लिया। अधिवेशन में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि जब तक कोटेदारों का कमीशन बढ़ाकर 200 रुपये प्रति क्विंटल नहीं किया जाता, तब तक जिले के सभी कोटेदार राशन का उठान और वितरण कार्य पूरी तरह बंद रखेंगे।

# एक लाख के इनामी रवि यादव मुठभेड़ मामले की मजिस्ट्रियल जांच शुरू, साक्ष्य देने की अपील

**जौनपुर (उत्तरशक्ति)।** थाना खेतासराय क्षेत्र में पुलिस मुठभेड़ के दौरान मारे गए एक लाख रुपये के इनामी अपराधी रवि यादव के मामले में मजिस्ट्रियल जांच शुरू कर दी गई है। उप जिलाधिकारी केराकत ने आमजन से घटना से संबंधित साक्ष्य उपलब्ध कराने की अपील की है।

जानकारी के अनुसार, 25 मई 2026 को रात खेतासराय थाना क्षेत्र में हुई पुलिस मुठभेड़ में रवि यादव घायल हो गया था। पुलिस के मुताबिक आत्मरक्षा में की गई फायरिंग के दौरान घायल रवि यादव को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सोंधी से जिला चिकित्सालय जौनपुर रेफर किया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इस मामले में खेतासराय थाने में थानाध्यक्ष प्रदीप कुमार सिंह की तहरीर पर मुकदमा संख्या 120/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा 109(1) और शस्त्र अधिनियम की धाराओं 3/7/25 के अंतर्गत रवि यादव व एक अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था। जिलाधिकारी के आदेश पर मामले की मजिस्ट्रियल जांच उप जिलाधिकारी केराकत को सौंपी गई है। जांच अधिकारी ने बताया कि यदि किसी व्यक्ति के पास इस प्रकरण से जुड़ा कोई मौखिक, लिखित या अभिलेखीय साक्ष्य उपलब्ध हो तो वह प्रेस विज्ञप्ति जारी होने की तिथि से एक सप्ताह के भीतर तहसील केराकत स्थित उप जिलाधिकारी न्यायालय में प्रस्तुत कर सकता है। प्रशासन ने कहा है कि साक्ष्य उपलब्ध कराने वाले व्यक्तियों की पहचान और दी गई जानकारी को पूरी तरह गोपनीय रखा जाएगा।

# शिवम कॉन्वेंट स्कूल में धूमधाम से मनाया गया सावन महोत्सव

**पटना ।** राजधानी पटना के हरनीचक, अनिसाबाद स्थित शिवम कॉन्वेंट स्कूल में शनिवार को नर्सरी एवं प्ले ग्रुप के बच्चों के साथ सावन महोत्सव हर्षोल्लास एवं पारंपरिक उत्साह के साथ मनाया गया। विद्यालय परिसर को सावन की हरियाली और भारतीय संस्कृति की झलक प्रस्तुत करने वाले आकर्षक सजावटी तत्वों से सजाया गया, जिससे पूरे वातावरण में उत्सव का रंग बिखर गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान भोलेनाथ की स्तुति और मंगलाचरण से हुआ। इसके बाद नन्हे-मुन्ने बच्चों ने सावन से जुड़े गीतों, नृत्य और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से उपस्थित अभिभावकों एवं शिक्षकों का मन मोह लिया। बच्चों की मासूम और मनमोहक प्रस्तुतियों ने पूरे कार्यक्रम में उत्साह, उमंग और आनंद का संचार कर दिया। अभिभावकों ने भी बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए उनकी प्रतिभा की सराहना की।

विद्यालय की वर्ग शिक्षिकाओं ने बताया कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य बच्चों को भारतीय संस्कृति, प्रकृति और सावन पर्व के महत्व से परिचित कराना था। उन्होंने कहा कि छोटे बच्चों को खेल-खेल में संस्कृति और पर्यावरण से जोड़ने का यह प्रयास शिक्षकों एवं अभिभावकों के सहयोग से सफल हो सका।

कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने पारंपरिक वेशभूषा में अपनी प्रस्तुतियों से सभी का ध्यान आकर्षित किया। विद्यालय परिवार ने सावन के धार्मिक, सांस्कृतिक और प्राकृतिक महत्व पर भी प्रकाश डाला तथा बच्चों को पर्यावरण संरक्षण और प्रकृति से प्रेम का संदेश दिया।

समारोह के समापन अवसर पर विद्यालय की प्राचार्य रूपम शर्मा ने सभी शिक्षकों के समर्पण, रचनात्मक प्रयास और उत्कृष्ट मार्गदर्शन की सराहना करते हुए उन्हें सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के सांस्कृतिक आयोजन बच्चों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और उनमें आत्मविश्वास के साथ-साथ भारतीय परंपराओं के प्रति सम्मान की भावना विकसित करते हैं।

विद्यालय के निदेशक आर. के. सर ने कार्यक्रम की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए सभी बच्चों, शिक्षकों एवं अभिभावकों का सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि विद्यालय भविष्य में भी ऐसे शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन करता रहेगा, ताकि बच्चों का समग्र विकास सुनिश्चित हो सके।

# सहकारिता मंत्री जेपीएस राठौर का बलरामपुर जनपद में भव्य स्वागत

**बलरामपुर।** उत्तर प्रदेश सरकार के सहकारिता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जेपीएस राठौर का शनिवार को बलरामपुर जनपद की सीमा पर भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों एवं कार्यकताओं द्वारा भव्य स्वागत किया गया। मंत्री के आगमन पर कार्यकताओं ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका अभिनंदन किया और जनपद में उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। स्वागत कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. आरती तिवारी, सदर विधायक पल्टूराम, तुलसीपुर विधायक कैलाश नाथ शुक्ल, उतरौला विधायक राम प्रताप वर्मा, नगर पालिका परिषद बलरामपुर के अध्यक्ष डॉ. धीरेन्द्र प्रताप सिंह 'धीरू', भाजपा के निवर्तमान जिलाध्यक्ष प्रदीप सिंह, राकेश सिंह, चन्द्र प्रकाश सिंह 'गुड्डू', अनूप चन्द्र गुप्ता, जिला उपाध्यक्ष वरुण सिंह 'मोनू', संजय शुक्ल, जिला महामंत्री डॉ. अजय सिंह 'पिंकू', डीपी सिंह बैस, राधेश्याम वर्मा सहित भाजपा के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

इस अवसर पर कार्यकताओं में उत्साह का माहौल देखने को मिला। सभी ने सहकारिता मंत्री जेपीएस राठौर का स्वागत करते हुए उनके सफल, जनहितैषी एवं जनकल्याणकारी कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं।

# इंदौर में भागवत सेवा समिति द्वारा श्रीमद् भागवत सप्ताह ज्ञान यज्ञ का आयोजन आज

इंदौर (उत्तरशक्ति)। स्थान श्री चारभुजानाथ मंदिर पालीवाल समाज 44 श्रेणी धर्मशाला हेमिल्टन रोड इन्दौर में श्रीमद भागवत कथा का आयोजन किया गया है। समिति के अध्यक्ष हेमंत व्यास , भागवत प्रभारी मुकेश जोशी, संयोजक संतोष बागोरा, प्रभारी करुणानिधि , महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष श्रीमती रीना जोशी सहित कई लोगों के तरफ से श्री मद्भागवत सप्ताह ज्ञान यज्ञ का दिव्य आयोजन रविवार दिनांक 2 अगस्त 2026 को देवी पूजा के साथ शोभायात्रा के साथ श्री गणेश किया जाएगा । शोभायात्रा के दौरान पुरुष धोती कुर्ता अथवा कुर्ता पायजामा तथा महिलाएं केशरिया व पीले साड़ी के गणवेश में उपस्थित रहे। श्रीमदभागवत कथा समय दोपहर 2 बजे से 6 बजे शाम तक चलने वाले सप्त दिवसीय भागवत महापुराण के कथा 2 अगस्त 2026 दिन रविवार से 8 अगस्त 2026 दिन शनिवार तक बहने वाली का भागवती गंगा के प्रवाह का विश्राम 9 अगस्त दिन रविवार प्रातः 9 बजे हवन व महाप्रसाद भंडारा के साथ समस्त जन श्रोताओं की उपस्थिति में संपन्न होगा। जगत कल्याण की भावना से लोकहितार्थ भागवत कथा का आयोजन किया गया है। सभी धर्मावलंबियों से निवेदन किया है कि इस कथा में पहुंचकर अपने जीवन को धन्य करें । यह जानकारी प्रदीप व्यास ने प्रेस विज्ञाप्ति के माध्यम से दी है।

# सूरत के 7 साइकिल चालकों ने पूरी की 200 किमी की रोमांचक 'मानसून राइड

सूरत(उत्तरशक्ति)। सूरत शहर के सात साहसी और फिटनेस प्रेमी साइकिल चालकों ने मूसलाधार बारिश के बीच 200 किलोमीटर लंबी चुनौतीपूर्ण 'मानसून साइकिल राइड' सफलतापूर्वक पूरी कर एक प्रेरणादायक मिसाल पेश की है। रविवार, 26 जुलाई को साइकिल चालकों के इस दल ने सूरत से डांग जिले के प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर भैंसकातरी तक पहुंचकर वापस सूरत लौटते हुए कुल 200 किलोमीटर की दूरी तय की।

इस विशेष मानसून राइड में नितिन पटेल, तेजस चोथियावाला, डॉ. चिराग शाह, महेश भक्ता, समीर दूधवाला, अजय बडगावाला और मिहीर पटेल ने भाग लिया।

सुबह बारिश की फुहारों के बीच शुरू हुई इस यात्रा में प्रतिभागियों ने डांग के पहाड़ी, हरियाली से आच्छादित और चुनौतीपूर्ण मार्गों पर लगातार साइकिल चलाई। रास्ते में बहती नदियों, झरनों और मानसून के मनमोहक प्राकृतिक दृश्यों का आनंद लेते हुए उन्होंने निर्धारित समय में अपनी 200 किलोमीटर की राइड पूरी की। प्रतिभागियों ने बताया कि बारिश के मौसम में लंबी दूरी की साइकिलिंग का अनुभव बेहद रोमांचकारी होता है। उनका कहना था कि साइकिलिंग न केवल शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखने का प्रभावी माध्यम है, बल्कि यह लोगों को प्रकृति के करीब भी लाती है। इस राइड का उद्देश्य फिटनेस के प्रति जागरूकता बढ़ाना और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए लोगों को प्रेरित करना भी था।

इस साहसिक उपलब्धि पर स्थानीय साइकिलिंग समुदाय और शहरवासियों ने सभी प्रतिभागियों की सराहना करते हुए उनके जज्बे और समर्पण की प्रशंसा की।

# फूलों की बारिश के बीच ज्ञान प्रकाश सिंह ने किया कांवड़ यात्रा का शुभारंभ

जौनपुर। पवित्र श्रावण मास के अवसर पर हर हर महादेव काँवरिया संघ, जफराबाद द्वारा शनिवार को भव्य शोभायात्रा एवं काँवड़ यात्रा का आयोजन किया गया। यात्रा में बड़ी संख्या में काँवरियों, स्थानीय नागरिकों, व्यापारियों और युवाओं ने सहभागिता की। पूरे जफराबाद बाजार में श्रद्धा, उत्साह और सामाजिक एकता का अद्भुत दृश्य देखने को मिला। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वरिष्ठ भाजपा नेता एवं समाजसेवी ज्ञान प्रकाश सिंह ने विधि-विधान से काँवड़ यात्रा का शुभारंभ किया। इस दौरान काँवरिया संघ के पदाधिकारियों, कार्यकताओं एवं क्षेत्रवासियों ने उनका भव्य स्वागत किया तथा पुष्पवर्षा कर अभिनंदन किया। बाजार में जगह-जगह लोगों ने उनका स्वागत किया और काँवरियों का उत्साह बढ़ाया।

काँवरियों ने गोमती नदी के नाव घाट से पवित्र जल भरकर जफराबाद बाजार में पदयात्रा की और बाबा काशी विश्वनाथ के जलाभिषेक के लिए प्रस्थान किया। यात्रा में रथ, डीजे एवं शिव तांडव की प्रस्तुति विशेष आकर्षण का केंद्र रही। बोल बम के जयघोष से पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो उठा।

उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए ज्ञान प्रकाश सिंह ने कहा कि काँवड़ यात्रा केवल आस्था का आयोजन नहीं, बल्कि समाज को जोड़ने वाली परंपरा है। ऐसे धार्मिक एवं सामाजिक आयोजनों से आपसी भाईचारा, सेवा भावना और क्षेत्र की एकजुटता मजबूत होती है। उन्होंने कहा कि जफराबाद की जनता ने हमेशा प्रेम, सम्मान और अपनापन दिया है तथा क्षेत्र के विकास और जनसेवा के लिए उनका सहयोग निरंतर जारी रहेगा।

नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि डॉ. सरफराज खान ने ज्ञान प्रकाश सिंह का स्वागत एवं सम्मान करते हुए कहा कि सरल स्वभाव, सहज उपलब्धता और बिना जाति-धर्म का भेद किए जरूरतमंदों की सहायता करने वाला व्यक्तित्व आज के समय में दुर्लभ है। उन्होंने कहा कि ज्ञान प्रकाश सिंह समाज के प्रत्येक वर्ग के सुख-दुःख में खड़े रहते हैं और यही कारण है कि क्षेत्र की जनता के बीच उनके प्रति विशेष विश्वास और सम्मान है। ज्ञान प्रकाश सिंह ने इस भव्य आयोजन के लिए काँवरिया संघ के अध्यक्ष राकेश प्रजापति ह्यछ्ट्टूह्न, उपाध्यक्ष अर्जुन अग्रहरी, कोषाध्यक्ष कमलेश प्रजापति, महामंत्री राहुल अग्रहरी, विशेष सलाहकार सुजीत मधुकर, मंत्री सूरज अग्रहरी सहित सभी पदाधिकारियों, कार्यकताओं, व्यापारियों एवं क्षेत्रवासियों को बधाई दी और काँवरियों की सुरक्षित एवं मंगलमय यात्रा की कामना की।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि रूपेंद्र दुबे ह्यपिंटूह्न सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक, सामाजिक कार्यकर्ता, व्यापारी, युवा एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे। पूरे आयोजन के दौरान जफराबाद की जनता में विशेष उत्साह देखने को मिला और लोगों ने इसे आस्था के साथ-साथ सामाजिक समरसता का संदेश देने वाला आयोजन बताया।

# इंदौर में भगवान भोलेनाथ पर आपत्तिजनक टिप्पणी के विरोध में प्रदर्शन:

## कांवड़ियों ने थाना घेरा, मौलाना जर्जिस अंसारी पर एफआईआर की मांग

-प्रणित नरेंद्र तिवारी

इंदौर(उत्तरशक्ति)। इंदौर के चंदन नगर थाना क्षेत्र में भगवान भोलेनाथ पर कथित आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर शनिवार को कांवड़ियों ने विरोध प्रदर्शन किया। अखिल भारतीय बलाई महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोज परमार के नेतृत्व में बड़ी संख्या में लोग चंदन नगर थाने पहुंचे और मौलाना जर्जिस अंसारी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की।प्रदर्शनकारियों ने थाने के बाहर नारेबाजी करते हुए आरोप लगाया कि भगवान भोलेनाथ को लेकर की गई कथित टिप्पणी से हिंदू समाज की धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं। उन्होंने पुलिस से मामले में तत्काल प्रकरण दर्ज कर सख्त कानूनी कार्रवाई करने की मांग की। इसके बाद समाज के प्रतिनिधियों ने पुलिस अधिकारियों को ज्ञापन सौंपा।

प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं की गई तो आंदोलन को और उग्र किया जाएगा।एसीपी शिवेंद्र जोशी ने कहा कि चंदन नगर से गंगवाल की ओर कांवड़ यात्रा जा रही थी। इसी दौरान अखिल भारतीय बलाई महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोज परमार के नेतृत्व में कुछ लोग चंदन नगर थाने पहुंचे। उन्होंने एक आवेदन देकर आरोप लगाया है कि दूसरे धर्म के एक धार्मिक गुरु ने हिंदू देवी-देवताओं पर अभद्र और आपत्तिजनक टिप्पणी की है।

शिकायत के साथ एक वीडियो भी दिया गया है। फिलहाल यह जांच की जा रही है सह कि वीडियो कहां का है और उसमें दिखाई दे रहा व्यक्ति कौन है। मामले की जांच के बाद वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया जाएगा और तथ्यों केआधार पर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

वहीं अखिल भारतीय बलाई महासंघ राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोज परमार ने कहा कि मौलाना जर्जिस अंसारी ने अपनी तकरीर में हमारे आराध्य भगवान भोलेनाथ (महाकाल) के बारे में बेहद अभद्र और अशोभनीय टिप्पणियां की हैं, जिससे हिंदू समाज और करोड़ों श्रद्धालुओं की धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं। इसी के विरोध में महामंडलेश्वर नितिन दास महाराज के सानिध्य में कांवड़ यात्री चंदन नगर थाने पहुंचे और आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की है। पुलिस अधिकारियों ने जल्द कार्रवाई का आश्वासन दिया है, जिसके बाद हमने कांवड़ यात्रा आगे बढ़ाई। यदि आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर गिरफ्तारी नहीं की गई तो आंदोलन और तेज किया जाएगा। अगले सोमवार को 5 हजार लोगों की कांवड़ यात्रा निकाली जाएगी और जरूरत पड़ी तो थाने या एसपी कार्यालय का घेराव भी करेंगे।

# प्रजापति समाज के प्रतिनिधिमंडल ने मंत्री गिरीश चंद्र यादव से की भेंट, रत्नप्पा कुम्हार की प्रतिमा स्थापना की उठाई मांग

**जौनपुर (उत्तरशक्ति)।** उत्तर प्रदेश सरकार के खेल एवं युवा कल्याण मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गिरीश चंद्र यादव से शनिवार को जौनपुर के प्रजापति समाज के प्रतिनिधिमंडल ने शिष्टाचार भेंट कर समाज से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की। प्रतिनिधिमंडल ने संविधान सभा के सम्मानित सदस्य एवं स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्वर्गीय रत्नप्पा कुम्हार की प्रतिमा स्थापित कराने की मांग करते हुए मंत्री को एक प्रार्थना-पत्र सौंपा। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व जिला अध्यक्ष राहुल प्रजापति और जिला महासचिव धर्मेंद्र प्रजापति ने किया। उन्होंने कहा कि रत्नप्पा कुम्हार का स्वतंत्रता आंदोलन और संविधान निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान रहा है, इसलिए उनकी प्रतिमा स्थापित कर नई पीढ़ी को उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व से परिचित कराया जाना चाहिए।

मंत्री गिरीश चंद्र यादव ने प्रार्थना-पत्र प्राप्त करने के बाद प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि रत्नप्पा कुम्हार की प्रतिमा स्थापना के संबंध में आवश्यक कार्रवाई शीघ्र कराई जाएगी। मंत्री के सकारात्मक आश्वासन पर प्रतिनिधिमंडल ने उनका आभार व्यक्त करते हुए कहा कि समाज के महापुरुषों के योगदान को सम्मान देना और उन्हें नई पीढ़ी तक पहुंचाना समय की आवश्यकता है। इस अवसर पर पवन प्रजापति, दक्ष सेना प्रमुख वीरेंद्र प्रजापति 'वीर', मोहन लाल प्रजापति, सुशील प्रजापति, लौटन प्रजापति, उमाशंकर प्रजापति, अभिषेक प्रजापति, मोनू प्रजापति सहित प्रजापति समाज के अनेक गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

# लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक की पुण्यतिथि पर सिगरा तिराहे पर उमड़ा मराठी समाज, प्रतिमा पर अर्पित किए श्रद्धा-सुमन

## -स्वराज के अमर पुजारी को काशी का नमन

-सुरेश गांधी

वाराणसी. सावन की भक्ति और राष्ट्रभाव से भरे काशी के वातावरण में शनिवार की सुबह एक बार फिर स्वराज के अमर पुजारी लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक की स्मृतियों से आलोकित हो उठी। उनकी पुण्यतिथि पर काशी के मराठी समाज ने सिगरा तिराहे पर स्थित तिलक प्रतिमा पर श्रद्धा-सुमन अर्पित कर राष्ट्रनायक को भावभीनी श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम केवल औपचारिक पुष्पांजलि तक सीमित नहीं रहा, बल्कि स्वाधीनता, स्वाभिमान और सांस्कृतिक चेतना के उन मूल्यों को पुनः स्मरण करने का अवसर बना, जिन्हें तिलक ने अपने जीवन से प्रतिष्ठित किया।

प्रातः आठ बजे वाराणसी नगर निगम के पार्षद संतोष सोलापुरकर के नेतृत्व में प्रतिमा स्थल पर स्वच्छता अभियान चलाया गया। उपस्थित लोगों ने स्वयं प्रतिमा परिसर की सफाई की और राष्ट्रनायक के प्रति अपनी श्रद्धा को कर्म के रूप में व्यक्त किया। इसके बाद प्रतिमा का स्नान कराया गया, उसे स्वच्छ कर अंगवस्त्र अर्पित किया गया तथा माल्यार्पण किया गया। वातावरण में भारत माता के जयघोष और लोकमान्य तिलक अमर रहें के स्वर गूंजते रहे। सभा को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक केवल स्वतंत्रता सेनानी नहीं थे, वे भारतीय आत्मा के जागरण के महापुरुष थे। उनका व्यक्तित्व प्रखर राष्ट्रवाद, अदम्य साहस, गहन विद्वत्ता और जननेतृत्व का अद्भुत समन्वय था। उन्होंने स्वराज को केवल राजनीतिक अधिकार नहीं, बल्कि राष्ट्रीय आत्मसम्मान का प्रश्न माना। उनका अमर उद्घोष 'स्वराज मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है और मैं इसे लेकर रहूंगा' आज भी भारतीय लोकतंत्र की चेतना में स्पंदित होता है।

वक्ताओं ने कहा कि अंग्रेजी शासन के विरुद्ध तिलक का तेवर सदैव निर्भीक और आक्रामक रहा। जनमानस ने उनके ओजस्वी वक्तृत्व और राष्ट्रसमर्पण से प्रभावित होकर उन्हें 'लोकमान्य' की उपाधि प्रदान की। उन्होंने सार्वजनिक गणेशोत्सव की परंपरा प्रारंभ कर समाज को सांस्कृतिक सूत्र में बांधने का कार्य किया और राष्ट्रीय आंदोलन को जन-जन तक पहुंचाया। यह उत्सव धार्मिक अनुष्ठान भर नहीं, बल्कि राष्ट्रीय एकता का विराट मंच बन गया। कार्यक्रम में तिलक की पत्रकारिता पर भी विस्तार से चर्चा हुई। वक्ताओं ने कहा कि मराठी दैनिक 'केसरी' और अंग्रेजी पत्र 'मराठा' के माध्यम से उन्होंने औपनिवेशिक शासन की नीतियों को चुनौती दी और स्वतंत्रता आंदोलन को वैचारिक धार प्रदान की। जेल की कठोर परिस्थितियों में भी उनका चिंतन अविराम रहा। मांडले कारागार में रचित 'गीता रहस्य' आज भी कर्मयोग और राष्ट्रधर्म की अद्वितीय व्याख्या मानी जाती है।

काशी की इस श्रद्धांजलि सभा ने यह संदेश दिया कि राष्ट्रनिर्माण केवल इतिहास की स्मृतियों से नहीं, बल्कि उन आदर्शों को वर्तमान जीवन में उतारने से होता है। जब समाज अपने महापुरुषों को केवल प्रतिमाओं तक सीमित न रखकर उनके विचारों को जीवन का मार्गदर्शक बनाता है, तभी श्रद्धांजलि सार्थक होती है। गंगा तट की यह प्राचीन नगरी आज भी उन राष्ट्रपुरुषों को उतनी ही श्रद्धा से स्मरण करती है, जिन्होंने भारत की स्वतंत्रता और सांस्कृतिक अस्मिता के लिए अपना सर्वस्व समर्पित कर दिया। इस अवसर पर यादव राव पाठक, गोविंद शिधोरे, साधना वेदांती, मकरंद महेस्कर, षडानन पाठक कारखेडकर, सुहास पटवर्धन, गजानन जोशी, प्रणव देशपांडे सहित मराठी समाज के अनेक गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में राष्ट्रगान के साथ लोकमान्य तिलक के आदर्शों पर चलने का संकल्प दोहराया गया।

# रुहट्टा में पुलिस-खाद्य सुरक्षा विभाग की बड़ी कार्रवाई, 96.5 किलो दोहरा व तंबाकू बरामद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। अपराध नियंत्रण अभियान के तहत कोतवाली पुलिस और खाद्य सुरक्षा विभाग की संयुक्त टीम ने शहर के रुहट्टा क्षेत्र में छापेमारी कर भारी मात्रा में दोहरा और तंबाकू बरामद किया है। कार्रवाई से अवैध कारोबारियों में हड़कंप मच गया। पुलिस के अनुसार वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक नगर आयुष श्रीवास्तव और क्षेत्राधिकारी नगर गोल्डी गुप्ता के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक अनीता सिंह के नेतृत्व में टीम गठित की गई थी। छापेमारी के दौरान उमरपुर रुहट्टा निवासी परविन्दर सिंह के कब्जे से 48 किलोग्राम खुला दोहरा, 47 किलोग्राम पाउच तथा 1.5 किलोग्राम सूखा तंबाकू बरामद किया गया। बरामद सामग्री को कब्जे में लेकर पुलिस ने संबंधित धाराओं में कार्रवाई शुरू कर दी है। इस कार्रवाई में प्रभारी निरीक्षक अनीता सिंह, उपनिरीक्षक राहुल रंजन समेत खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम शामिल रही। पुलिस ने कहा कि अवैध गतिविधियों के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा।

# नोएडा में छूट प्राप्त प्रतिष्ठानों के लिए ईपीएफओ द्वारा कार्यशाला का आयोजन

मुंबई। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने अपने क्षेत्रीय कार्यालय, नोएडा के माध्यम से 31 जुलाई, 2026 को आईटीसी फॉर्च्यून, सेक्टर 27, नोएडा में छूट प्राप्त प्रतिष्ठानों के लिए एक कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला का उद्देश्य छूट प्राप्त प्रतिष्ठानों को सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020 एवं कर्मचारी भविष्य निधि स्कीम, 2026 के अंतर्गत छूट प्रावधानों, एमनेस्टी स्कीम-2026, निवेश प्रबंधन तथा अनुपालन ढांचे के बारे में जानकारी देना था, साथ ही उद्योग जगत और ईपीएफओ के बीच संवाद को सुदृढ़ करना भी था। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन एवं औपचारिक स्वागत के साथ हुई। अपने प्रारंभिक उद्बोधन में सुयश पांडे, क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त-क नोएडा ने कार्यक्रम का संक्षिप्त परिचय देते हुए इस बात पर बल दिया कि बदलते श्रम कानूनों एवं डिजिटल प्रशासन के वर्तमान परिदृश्य में उद्योगों और ईपीएफओ के बीच निरंतर संवाद तथा समयबद्ध अनुपालन अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसके पश्चात भाग ले रहे नियोक्ताओं का परिचय सत्र आयोजित किया गया। मुख्य प्रस्तुति देते हुए पवन कुमार सिंह, क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त-क (उत्तर प्रदेश क्षेत्र) ने सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020 एवं ईपीएफ स्कीम, 2026 के अंतर्गत छूट प्रावधानों से संबंधित प्रस्तावित परिवर्तनों की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि नए ढांचे के तहत छूट प्रदान करने और उसका नवीनीकरण करने की प्रक्रिया को अधिक व्यवस्थित बनाया गया है, जिसमें प्रारंभिक छूट 3 वर्ष के लिए प्रभावी होगी तथा निर्धारित शर्तों की पूर्ति पर नवीनीकरण किया जा सकेगा, और उन्होंने प्रस्तावित पात्रता मानकों – जैसे 500 अंशदान करने वाले सदस्य तथा 50 करोड़ का संचयी कोष – का भी उल्लेख किया। उन्होंने डिजिटल रिकॉर्ड रखरखाव, समयबद्ध ऑनलाइन रिपोर्टिंग, सांविधिक लेखा-परीक्षा, तथा छूट की समाप्ति अथवा वापसी की स्थिति में सदस्यों की भविष्य निधि राशि के सुरक्षित एवं समयबद्ध हस्तांतरण से संबंधित अनिवार्यताओं को भी विस्तार से उल्लेख किया। उन्होंने एमनेस्टी स्कीम-2026 के बारे में भी विस्तार से बताया तथा इसे उन प्रतिष्ठानों के लिए एक एकबारगी अवसर बताया जो आयकर अधिनियम के अंतर्गत मान्यता प्राप्त भविष्य निधि ट्रस्ट संचालित करते हैं परंतु जिनके पास औपचारिक छूट अधिसूचना नहीं है, ताकि वे निर्धारित अवधि के भीतर पूर्वव्यापी ट्रस्ट नियमितीकरण हेतु आवेदन कर सकें। इसके साथ ही, निर्धारित शर्तों के अंतर्गत कुछ पात्रता मानदंडों में छूट तथा लंबित मामलों के निपटान का भी प्रावधान है, जो अधिसूचना की तिथि से छह माह तक प्रभावी रहेगी।

# भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला का इस्तीफा दुर्भाग्यपूर्ण: सरवर सिद्दीकी

-सुरेश गांधी

वाराणसी। पूर्व दर्जा प्राप्त राज्यमंत्री एवं भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य श्री सरवर सिद्दीकी ने भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता श्री शहजाद पूनावाला के इस्तीफे को दुर्भाग्यपूर्ण बताया है। श्री सिद्दीकी ने कहा कि श्री शहजाद पूनावाला वर्ष 2017 में कांग्रेस से इस्तीफा देकर भाजपा में शामिल हुए थे। पार्टी ने उनकी राजनीतिक सक्रियता और वक्तृत्व क्षमता को देखते हुए उन्हें राष्ट्रीय प्रवक्ता की जिम्मेदारी सौंपी थी। उन्होंने कहा कि श्री पूनावाला की यह अपेक्षा रही होगी कि उन्हें केंद्र सरकार में कोई महत्वपूर्ण दायित्व प्राप्त होगा। हाल के वर्षों में विभिन्न दलों से भाजपा में शामिल हुए कई नेताओं को केंद्र सरकार तथा राज्यों में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां मिली हैं। ऐसी स्थिति में उन्हें मंत्रिमंडल में स्थान न मिल पाने से निराशा होना स्वाभाविक हो सकता है। श्री सरवर सिद्दीकी ने कहा कि श्री पूनावाला को पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व पर विश्वास बनाए रखना चाहिए। भाजपा का केंद्रीय नेतृत्व समय और परिस्थितियों के अनुसार उचित निर्णय लेने के लिए जाना जाता है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि श्री पूनावाला संगठन और राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए सकारात्मक भूमिका निभाते रहेंगे।

# संपूर्ण समाधान दिवस में 285 शिकायतें मिले,22 का मौके पर हुआ निस्तारण

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के राजातालाब में एडीएम पंकज कुमार तथा उप जिलाधिकारी राजातालाब शांतुन कुमार सिनसिनवार ने शनिवार को राजातालाब तहसील पर आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में फरियादियों की समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण करने के निर्देश दिए।समाधान दिवस में कुल 285 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, जिनमें से 22 का मौके पर निस्तारण किया गया। शेष मामलों को आवश्यक कार्रवाई के लिए संबंधित विभागों को भेजा गया।इस दौरान सड़क, नाली, राशन कार्ड में नाम जोड़ने-घटाने, भूलेख संशोधन, नामांतरण, वरासत, विद्युत और पेयजल से जुड़ी शिकायतें प्रमुख रहीं। पुलिस विभाग से मारपीट, रुपये लेकर वापस न करने और अन्य विवादों की शिकायतें भी दर्ज हुईं।मटूका निवासी विजय बहादुर ने बिना वैध आधार के 30 फीट बरामद दर्शाकर नोटिस जारी करने का आरोप लगाया। महेंद्र वर्मा ने खतौनी में त्रुटिपूर्ण अंश संशोधन के लिए फर्जी रिपोर्ट भेजे जाने की शिकायत की। कचनार निवासी दीनदयाल ने भतीजे द्वारा फर्जी मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाकर जमीन पर कब्जा करने का आरोप लगाते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की।इस अवसर पर एसडीएम राजातालाब, तहसीलदार, एसीपी पिंडरा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

# मुख्यमंत्री से डीएम और एसपी ने की शिष्टाचार भेंट

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी सैमुअल पॉल एन. और पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह ने शनिवार को लखनऊ पहुंचकर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान दोनों अधिकारियों ने मुख्यमंत्री का अभिवादन किया। मुलाकात सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई। प्रशासनिक शिष्टाचार के तहत हुई इस औपचारिक भेंट के दौरान जिले की व्यवस्थाओं और प्रशासनिक कार्यों को लेकर भी चर्चा होने की संभावना जताई जा रही है। यह मुलाकात अधिकारियों और प्रदेश नेतृत्व के बीच समन्वय एवं संवाद की दृष्टि से महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

# होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया की जुलाई में 5.42 लाख यूनिट्स की बिक्री, 5% की सालाना बढ़ोतरी

मुंबई। होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने जुलाई 2026 में कुल 5.42 लाख यूनिट्स की बिक्री दर्ज की, जो जुलाई 2025 में बेची गई 5.15 लाख यूनिट्स की तुलना में 5 प्रतिशत अधिक है। कंपनी के अनुसार, जुलाई 2026 में घरेलू बाजार में 4.76 लाख यूनिट्स की बिक्री हुई, जो पिछले वर्ष की समान अवधि के 4.66 लाख यूनिट्स के मुकाबले 2 प्रतिशत की वृद्धि दशार्ती है। वहीं, निर्यात 0.66 लाख यूनिट्स रहा, जो जुलाई 2025 के 0.49 लाख यूनिट्स की तुलना में 35 प्रतिशत अधिक है। चालू वित्त वर्ष 2026-27 (अप्रैल-जुलाई 2026) के पहले चार महीनों में भी कंपनी ने मजबूत प्रदर्शन किया। इस अवधि में ल्टरककी कुल बिक्री 21.54 लाख यूनिट्स रही, जो पिछले वर्ष की समान अवधि के 18.90 लाख यूनिट्स की तुलना में 14 प्रतिशत अधिक है। अप्रैल-जुलाई 2026 के दौरान घरेलू बिक्री 18.89 लाख यूनिट्स रही, जबकि पिछले वर्ष की समान अवधि में यह 16.95 लाख यूनिट्स थी, यानी 11 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। इसी अवधि में निर्यात 2.64 लाख यूनिट्स रहा, जो अप्रैल-जुलाई 2025 के 1.95 लाख यूनिट्स की तुलना में 35 प्रतिशत अधिक है। कंपनी का कहना है कि जुलाई के दौरान टू-व्हीलर बाजार में मांग स्थिर बनी रही। विविध उत्पाद पोर्टफोलियो और देशभर में फैले 7,000 से अधिक टचपॉइंट्स के व्यापक नेटवर्क के दम पर ल्टरक ग्राहकों तक अपनी पहुंच लगातार मजबूत कर रही है और विभिन्न बाजारों में अपने विस्तार को गति दे रही है।

# रेनुकूट हत्या कांड में पिपरी पुलिस की बड़ी कार्रवाई, तीन आरोपी गिरफ्तार

सोनभद्र ( उत्तरशक्ति )। रेनुकूट में हुई संदीप पाल हत्या मामले में थाना पिपरी पुलिस ने तीन वांछित आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त टीवीएस मोटरसाइकिल की चाबी भी बरामद की है। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्मा के निर्देश पर चलाए जा रहे वांछित आरोपियों की गिरफ्तारी अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय अनिल कुमार और क्षेत्राधिकारी पिपरी हर्ष पाण्डेय के निर्देशन में थानाध्यक्ष पिपरी राजेश जी चौबे के नेतृत्व में पुलिस टीम ने आरोपियों को गिरफ्तार किया।

पुलिस के अनुसार, 26 जुलाई की रात रेनुकूट बस स्टैंड के पास पान की दुकान पर संदीप पाल का कुछ लोगों से विवाद हो गया था। आरोप है कि विवाद के दौरान मारपीट की गई, जिसमें विशाल सिंह उर्फ बिट्टू ने टीवीएस बाइक की चाबी से संदीप पाल के आंख और कान के बीच वार कर दिया। गंभीर रूप से घायल संदीप की इलाज के दौरान बीएचयू वाराणसी में मौत हो गई थी। मृतक के भाई की तहरीर पर थाना पिपरी में हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया था। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर 31 जुलाई को रेलवे रेनुकूट क्षेत्र से तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों में अजय पाण्डेय, वीर प्रताप सिंह उर्फ वीरू और विशाल सिंह उर्फ बिट्टू शामिल हैं। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ आवश्यक विधिक कार्रवाई करते हुए उन्हें न्यायालय भेज दिया है।

# अंधेरी में 250 मेधावी छात्रों का हुआ सम्मान, नि :शुल्क बैग व लेखन सामग्री वितरित

मुंबई। शिवसेना (उद्धव) युवासेना, अंधेरी पूर्व विधानसभा क्षेत्र की ओर से शुक्रवार देर शाम अंधेरी (पूर्व) के अंधेरी-कुर्ला रोड स्थित विशाल हॉल में मेधावी विद्यार्थियों के सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। बालासाहेब ठाकरे जन्मशताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित इस कार्यक्रम में 10 वीं और 12 वीं के 250 विद्यार्थियों को निःशुल्क स्कूल बैग, पेन तथा अन्य लेखन सामग्री वितरित की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ पार्टी के उपनेता अमोल कीर्तिकर ने छत्रपति शिवाजी महाराज के चित्र पर माल्यार्पण कर किया। इस अवसर पर उन्होंने कार्यक्रम के आयोजक एवं युवासेना अंधेरी पूर्व विधानसभा क्षेत्र के विभाग अधिकारी अमेय रमेश लटके की सराहना करते हुए कहा कि मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित करना समाज के भविष्य को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। आज सम्मानित होने वाले यही विद्यार्थी आगे चलकर डॉक्टर, इंजीनियर, वकील और पुलिस अधिकारी बनकर देश व समाज की सेवा करेंगे। कीर्तिकर ने कहा कि अमेय लटके के नेतृत्व में युवाओं के माध्यम से अंधेरी में संगठन को मजबूत करने का कार्य सराहनीय है। उन्होंने पार्टी के दिवंगत विधायक रमेश लटके के अंधेरी के विकास में दिए गए योगदान को याद करते हुए कहा कि उनके बाद विधायक बनीं ऋतुजा रमेश लटके ने भी क्षेत्र के विकास कार्यों को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आयोजक अमेय रमेश लटके ने कहा कि आज के कार्यक्रम का उद्देश्य 10 वीं और 12 वीं के विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करना है। 250 छात्रों को निःशुल्क बैग, पेन और लेखन सामग्री देकर शिक्षा के प्रति उनका मनोबल बढ़ाने का प्रयास किया गया है। उन्होंने कहा कि पार्टी नेतृत्व के निर्देशानुसार आने वाले समय में अंधेरी के प्रत्येक बूथ और वार्ड तक संगठन को मजबूत किया जाएगा,जिसमें युवाओं की भूमिका सबसे अहम होगी। इस अवसर पर पूर्व विधायक ऋतुजा रमेश लटके, उपविभाग अधिकारी संदेश मोरे, जयेंद्र कूटे, अनिकेत छाछड़, शाखा अधिकारी मनीष नेरुलकर, समन्वयक प्रलेश सावंत, संतोष रहाटे, सहित बड़ी संख्या में युवासेना के पदाधिकारी, कार्यकर्ता, विद्यार्थी और अभिभावक उपस्थित थे।

# गोरखपुर जिला जेल से पॉक्सो एक्ट का बंदी लापता, जेलर समेत पांच कर्मचारी निलंबित

गोरखपुर (उत्तरशक्ति)। गोरखपुर जिला जेल से शुक्रवार दोपहर पॉक्सो एक्ट के एक बंदी के लापता होने की सूचना मिलते ही जेल प्रशासन में हड़कंप मच गया। बंदी के गायब होने की जानकारी पर जेल परिसर की सभी बैरकों में गहन तलाशी और बंदियों की दोबारा गिनती कराई गई, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिल सका। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे तथा बंदी की तलाश शुरू कर दी गई। मामले को गंभीरता से लेते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) ने तत्काल प्रभाव से जेलर अरुण कुमार सहित पांच कर्मचारियों को निलंबित कर दिया है। साथ ही पूरे प्रकरण की जांच के आदेश दिए गए हैं।

जानकारी के अनुसार बांसगांव थाना क्षेत्र निवासी विपिन को एक युवती को भगाने के मामले में 18 जुलाई को गिरफ्तार किया गया था। पुलिस ने उसके विरुद्ध पॉक्सो एक्ट की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर न्यायालय में पेश किया था, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में गोरखपुर जिला जेल भेज दिया गया था। फिलहाल पुलिस और जेल प्रशासन बंदी की तलाश में जुटे हैं। साथ ही यह पता लगाया जा रहा है कि बंदी जेल से कैसे और किन परिस्थितियों में लापता हुआ। जांच रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

# सावन मेले की तैयारियों का डीसीपी-एडीसीपी ने लिया जायजा, मार्कण्डेय महादेव मंदिर में किया जलाभिषेक

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। सावन मेले को देखते हुए शनिवार को कैथी स्थित प्रसिद्ध मार्कण्डेय महादेव मंदिर में सुरक्षा और व्यवस्थाओं का जायजा लेने के लिए डीसीपी प्रमोद कुमार और एडीसीपी लिपि नगायच पहुंचे। अधिकारियों ने मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा व्यवस्था, साफ-सफाई, पेयजल और शौचालय आदि व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। साथ ही भीड़ नियंत्रण और यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान सावन मेले में आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए विशेष इंतजाम करने पर चर्चा की गई। अधिकारियों ने सुरक्षा व्यवस्था को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। निरीक्षण के बाद डीसीपी प्रमोद कुमार और एडीसीपी लिपि नगायच ने मंदिर में दर्शन-पूजन कर जलाभिषेक किया। मंदिर के मुख्य पुजारी मुन्ना गुरु ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना संपन्न कराई। इस अवसर पर मुन्ना गुरु, लालू गिरी, अजय गिरी सहित मंदिर से जुड़े अन्य लोग मौजूद रहे।

# कुएं में मिला अधेड़ का शव, इलाके में मची सनसनी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। केराकत थाना क्षेत्र के बेहड़ा गांव के रग्घूपुर पुरवा में शनिवार को कुएं से एक अधेड़ व्यक्ति का शव मिलने से हड़कंप मच गया। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जुट गई।मृतक की पहचान राकेश शुक्ला (45) पुत्र मानिक शुक्ला निवासी बेहड़ा गांव के रूप में हुई है। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कुएं से बाहर निकलवाया और कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस के अनुसार, घटना के कारणों का अभी पता नहीं चल सका है। मामले की जांच की जा रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद मौत की वास्तविक वजह स्पष्ट हो सकेगी।

# टूल नहीं, ताकत बनिए : रविंद्र जायसवाल ने समाज से किया आत्मसम्मान और एकता का आह्वान

वाराणसी। रुद्राक्ष इंटरनेशनल कॉरपोरेशन एंड कन्वेंशन सेंटर शनिवार को सामाजिक चेतना, आत्मसम्मान और शिक्षा के संकल्प का साक्षी बना। अखिल भारतवर्षीय हैहय कलचुरी महासभा के तत्वावधान में आयोजित 91वें स्थापना दिवस एवं परिचय सम्मेलन में बड़ी संख्या में स्वजातीय बंधु जुटे। कार्यक्रम का शुभारंभ सूबे के स्टाम्प शुल्क एवं पंजीयन राज्य मंत्री रविंद्र जायसवाल ने भगवान श्री राजराजेश्वर सहस्त्रबाहु जी के तैलचित्र पर दीप प्रज्वलित कर किया।

मुख्य अतिथि रविंद्र जायसवाल ने अपने संबोधन में समाज को आत्मसम्मान और संगठन का मंत्र देते हुए कहा कि किसी भी समाज की सबसे बड़ी शक्ति उसकी सामूहिक चेतना होती है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि समाज के लोगों को किसी का टूल नहीं बनना चाहिए। जो लोग दूसरों के राजनीतिक या निजी हितों के लिए उपयोग होते हैं, अंततः उनका केवल शोषण होता है। समाज को अपने संसाधन, श्रम, समय और वोट की ताकत पहचाननी होगी।

उन्होंने कहा कि वर्षों तक अनेक लोग समाज के सहयोग से आगे बढ़ते हैं, लेकिन कठिन समय में वही लोग साथ नहीं दिखाई देते। इसलिए समाज को आत्मनिर्भर, संगठित और जागरूक बनना होगा। उन्होंने आग्रह किया कि स्वजातीय समाज का कोई भी व्यक्ति यदि किसी क्षेत्र में आगे बढ़ने का प्रयास कर रहा हो तो उसे सामूहिक सहयोग दिया जाए।

पहचान अलग हो सकती है, मूल एक है

मंत्री ने समाज के विभिन्न उपनामों और शाखाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि नाम भिन्न हो सकते हैं, किंतु मूल पहचान एक ही है। जिस प्रकार अनेक नदियां मिलकर गंगा का विराट स्वरूप धारण करती हैं, उसी प्रकार समाज की छोटी-छोटी धाराएं मिलकर ही बड़ी सामाजिक शक्ति बनती हैं। उन्होंने सामाजिक एकता को समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बताया।

बेटियों को रसोई तक सीमित न करें

रविंद्र जायसवाल ने मातृशक्ति और पितृशक्ति से विशेष अपील करते हुए कहा कि आज देश की बेटियां हर क्षेत्र में सफलता प्राप्त कर रही हैं। ऐसे में समाज की बेटियों को केवल रसोई की जिम्मेदारियों तक सीमित करना उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि जब बेटी पढ़ रही हो तो उसे समय से पहले किचन की जिम्मेदारियों में न बांधें, बल्कि उसे आईएएस, पीसीएस, डॉक्टर, इंजीनियर और प्रशासनिक अधिकारी बनने का अवसर दें। उन्होंने कहा कि एक शिक्षित बेटी केवल अपना जीवन नहीं बदलती, वह पूरे परिवार की सोच बदल देती है। परिवार शिक्षित होता है तो समाज शिक्षित होता है और समाज शिक्षित होता है तो राष्ट्र प्रगति करता है।

व्यापार के साथ शिक्षा का संतुलन जरूरी

मंत्री ने व्यापारिक परिवारों से भी कहा कि बच्चों को कम उम्र में केवल दुकान और व्यवसाय तक सीमित न करें। व्यापार सम्मानजनक है, लेकिन शिक्षा और बौद्धिक विकास के बिना समाज नेतृत्वकारी भूमिका नहीं निभा सकता। उन्होंने सरस्वती और लक्ष्मी के संतुलन को स्थायी समृद्धि का आधार बताया।

सामाजिक कुरीतियों पर भी साधा निशाना

मंत्री ने दिखावे और अनावश्यक सामाजिक खर्चों पर भी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि समाज को ऐसी परंपराओं पर पुनर्विचार करना चाहिए जिनमें संवेदना से अधिक प्रदर्शन दिखाई देता है। सामाजिक मेल-मिलाप का उद्देश्य आत्मीयता होना चाहिए, प्रतिस्पर्धी प्रदर्शन नहीं।

इन वक्ताओं ने भी रखे विचार

सम्मेलन को अखिल भारतवर्षीय हैहय कलचुरी महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जय नारायण चौकसी, प्रदेश महिला आयोग की उपाध्यक्ष चारू जायसवाल, प्रेम चौधरी, श्रीमती मालती राय, राम सेवक राय, एस. एन. मालवीय तथा जगन्नाथ प्रसाद सहित अन्य वक्ताओं ने संबोधित किया। वक्ताओं ने समाज में शिक्षा, संगठन, महिला सशक्तीकरण, युवा जागरूकता और सामाजिक समरसता को मजबूत करने पर बल दिया।

सामाजिक चेतना का संदेश

कार्यक्रम में समाज के विभिन्न क्षेत्रों में योगदान देने वाले लोगों का सम्मान भी किया गया तथा परिचय सम्मेलन के माध्यम से सामाजिक संवाद और पारिवारिक संपर्क को बढ़ाने का प्रयास किया गया। पूरे आयोजन में यह संदेश प्रमुखता से उभरा कि समाज की वास्तविक उन्नति शिक्षा, संगठन, आत्मसम्मान और पारस्परिक सहयोग से ही संभव है। रुद्राक्ष से उठी यह आवाज केवल एक सामाजिक सम्मेलन तक सीमित नहीं रही, बल्कि उसने बदलते भारत में समाज की नई दिशा– एकता, शिक्षा और आत्मसम्मान– का स्पष्ट संकेत भी दिया।

पहचान होगी तभी भागीदारी बढ़ेगीह्व– जय नारायण चौकसी

अखिल भारतवर्षीय हैहय कलचुरी महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जय नारायण चौकसी ने कहा कि समाज को अपनी पहचान, इतिहास और जनसंख्या के प्रति जागरूक होना होगा। उन्होंने बताया कि देश के विभिन्न राज्यों– हैदराबाद, तमिलनाडु, दिल्ली, हरियाणा सहित लगभग 15 से 20 राज्यों से प्रतिनिधि इस सम्मेलन में शामिल होने के लिए वाराणसी पहुंचे हैं। यह समाज की व्यापक उपस्थिति और राष्ट्रीय एकता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि समाज के अनेक लोग आज भी अपने गौरवशाली इतिहास से अनभिज्ञ हैं। समाज का इतिहास हजारों वर्ष पुराना है और छत्तीसगढ़ के बिलासपुर क्षेत्र में स्थित प्राचीन मंदिर तथा हैहय-कलचुरी वंश की परंपरा आज भी उसके वैभव की साक्षी है। उन्होंने कहा कि जब समाज अपने इतिहास को जानता है तभी उसमें आत्मगौरव जागता है। बता दें, रविंद्र जायसवाल का यह संबोधन केवल एक जातीय सभा का भाषण भर नहीं था, बल्कि उत्तर भारतीय समाज की उन गहरी प्रवृत्तियों पर टिप्पणी भी था जहां राजनीतिक उपयोग, सामाजिक बिखराव और शिक्षा के प्रति असंतुलित दृष्टि लंबे समय से चर्चा का विषय रहे हैं। विशेष रूप से बेटियों की शिक्षा और आत्मनिर्भरता पर दिया गया उनका जोर बदलते भारत की उस सामाजिक चेतना से मेल खाता है जिसमें परिवार की प्रगति अब बेटी की प्रगति से अलग नहीं देखी जाती। वाराणसी की धरती से उठी यह आवाज अंततः एक व्यापक संदेश देती है– समाज तब तक सम्मानित नहीं हो सकता जब तक वह स्वयं अपनी शक्ति को पहचानकर शिक्षा, संगठन और आत्मसम्मान के मार्ग पर दृढ़ता से आगे बढ़ने का निर्णय न ले.